



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 20, 1971 (कार्तिक 29, 1893)
No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 20, 1971 (KARTIKA 29, 1893)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या भी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत क असाधारण राजपत्र 8 फरवरी 1971 तक प्रकाशित किये गये हैं :
The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to 8th February 1971 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4

शून्य
—NIL—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines Delhi. Indents should be submitted so as to reach the manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

M331GI/71

(937)

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	937	भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	5847
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1659	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	965
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1537
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1355	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	423
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	177
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	2379
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	4641	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	217
		पूरक संख्या 46—	
		6 नवम्बर 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बंधी साप्ताहिक रिपोर्ट	1941
		16 अक्टूबर 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु सम्बन्धी आंकड़े	1915

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PAGE
937		584	
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1659	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	965
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1537
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1355	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	423
PART II—SECTION 1.—Arts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	177
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2379
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administra-	4641	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	217
		SUPPLEMENT No. 46	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 6th November 1971	1941
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 16th November, 1971	

भाग I—खण्ड 1

(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1971

सं० एफ -9/11/71 CS(II)—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड 6 के अवर श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थायी रिक्त स्थानों को भरने के प्रयोजन के लिए मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्मिक विभाग नई दिल्ली के सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

जो उम्मीदवार परीक्षा में बैठने दिये जाएंगे वे निम्नलिखित सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड के रिक्त स्थानों के लिए प्रतियोगिता करने के पात्र समझे जाएंगे :—

(1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं;

(2) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, यदि वे सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तः सेवा संगठनों में नियुक्त हैं, और

(3) भारतीय विदेश सेवा (ख) की ग्रेड 6, में यदि वे विदेश मंत्रालय या विदेशों में इसकी मिशनों में नियुक्त हैं।

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरे जाने के लिए रिक्त स्थानों की संख्या मंत्रिमंडल सचिवालय के कार्मिक विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्त स्थानों के सम्बन्ध में आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित किए जाने के अनुसार किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों का अर्थ, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, अनुसूचित तथा अनुसूचित आदिम जातियों (संशोधन) अधिनियम, 1956, संविधान (जम्मू तथा काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1956, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा),

दमन तथा दीव) अनुसूचित जाति आदेश 1968, संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1968, तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970, के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूची (संशोधन) आदेश, 1956 में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से कोई भी जाति है।

3. इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार मंत्रिमंडल सचिवालय के कार्मिक विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल द्वारा परीक्षा ली जायेगी।

4. दिल्ली, और विदेशों में भारतीय निर्धारित मिशनों में किस तारीख और किन स्थानों पर परीक्षा ली जायेगी, इसको सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल नियत करेगा।

5. कोई भी स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जिसके सम्बन्ध में निम्नलिखित शर्तें पूरी होती हों :—

1. सेवा-अवधि

उसने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में अथवा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय और/अथवा अन्तः सेवा संगठनों अथवा विदेश मंत्रालय अथवा विदेशों में इसकी मिशनों में किसी उच्च ग्रेड में 1 जनवरी 1972, को कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की हो।

टिप्पणी 1—5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की सीमा तब भी लागू होगी यदि उम्मीदवार की कुल गिनती की जाने वाली सेवा आंशिक रूप में किसी मंत्रालय अथवा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में और आंशिक रूप में अन्यत्र उसके समकक्ष या उच्च ग्रेड में या विदेश मंत्रालय में और विदेशों में इसके मिशनों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हो।

टिप्पणी 2—जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग-वाह्य पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं वे अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संवर्ग वाह्य पद पर नियुक्त किया गया है अथवा स्थानान्तरण

पर अन्य सेवा में हैं और फिलहाल चतुर्थ श्रेणी के पद पर उसका ग्रहणाधिकार बना हुआ है वह भी अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने का पात्र है।

2. आयु

वह 1 जनवरी, 1972 को 45 वर्ष की आयु से अधिक नहीं होना चाहिए, अर्थात् 2 जनवरी, 1927 से पहले उसका जन्म न हुआ हो।

यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का है तो उपर्युक्त निर्धारित आयु-सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

3. शैक्षिक अर्हता

उम्मीदवार ने निम्नलिखित परीक्षाओं में से एक परीक्षा पास की हो या निम्नलिखित प्रमाण पत्रों में से एक प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो :—

- (1) भारत के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा,
- (2) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में शालान्त (स्कूल लीविंग), माध्यमिक स्कूल हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण पत्र के दिए जाने के लिए ली गई कोई परीक्षा जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष मानती हो।
- (3) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज),
- (4) राज्य सरकार द्वारा ली जाने वाली यूरोपिय हाई स्कूल परीक्षा,
- (5) दिल्ली पोलिटेक्नीक के तकनीकी हायर सैकण्डरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (6) भारत में किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकण्डरी स्कूल/मल्टीपरपज स्कूल द्वारा हायर सैकण्डरी पाठ्यक्रम/मल्टीपरपज पाठ्यक्रम (जो किसी उम्मीदवार को 3 वर्ष के डिग्री कोर्स के लिए प्रवेश पाने के योग्य बनाती हो) के उपान्तिम वर्ष में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण,
- (7) इण्डियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार कराने वाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (8) अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के उच्च-तर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए,
- (10) बंगाल (साइंस) स्कूल सर्टिफिकेट,

- (11) नेशनल काउन्सिल ऑफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद) आदमपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरु से लेकर) फाइनल स्कूल स्टेन्डर्ड परीक्षा,
- (12) गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद की विनीत परीक्षा,
- (13) पांडिचेरी के नीचे लिखी फ्रैन्च परीक्षाएं :—
 - (1) ब्रीच एलिमेन्टरी (2) ब्रीच द एंसीमा प्रीमियर द लांग एंडियन (3) ब्रीच द एट्यूड टू यू प्रीमियर सिबल (4) ब्रीच द एंसीमा प्रीमियर सुपीरियर द लॉग इंडियन और (5) ब्रीच द लांग इंडियन (बर्नाक्यूलर),
- (14) गोवा, दमन और दीव की पुर्तगाली परीक्षा ल.इसिमूम के पांचवें वर्ष में पास,
- (15) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन,
- (16) भारतीय नौ सेना का हायर एजुकेशन टेस्ट,
- (17) एडवांसड क्लास (भारतीय नौ सेना) परीक्षा,
- (18) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (19) पूर्वी बंगाल, उच्चतर शिक्षा बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र,
- (20) पूर्वी पाकिस्तान स्थित कौमिला, राजशाही, खलना/जैस्सौर के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए गए माध्यमिक स्कूल के प्रमाण पत्र,
- (21) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (22) एंग्लो बर्नाक्यूलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा (बर्मा),
- (23) बर्मा हाई स्कूल फाइनल परीक्षा प्रमाण पत्र,
- (24) शिक्षा विभाग, बर्मा की एंग्लो-बर्नाक्यूलर हाई स्कूल परीक्षा, (युद्ध पूर्व),
- (25) साधारण स्तर पर लंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन नामक परीक्षा यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिंहली या तमिल सहित छह विषयों में पास की गई हो,
- (26) बर्मा का पोस्ट-बार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट,
- (27) साधारण स्तर पर लंदन के एसोसिएटिड ऐक्जामिनेशन बोर्ड्स की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो,
- (28) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/सैकण्डरी तकनीकी स्कूल परीक्षा,
- (29) पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खण्ड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के अन्य विषयों में से एक विषय अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशिष्ट परीक्षा,
- (30) गोवा, दमन तथा दीव की स्वतंत्रता से पूर्व पोर्तुगीज संगठन के अधीन पानाजी स्थित एस्कोला इण्डस्ट्रियल कमीशिनिस डी गोवा द्वारा दिये गए/काटीं डी

कुर्सों डी फार्माकाओ डी सेरालर्हीरो (लोहारखाना पाठ्यक्रम का सार्टिफिकेट) तथा कार्टा डी कुर्सो डी मोण्टाडोर इलेक्ट्रिसिस्टा (इलेक्ट्रिशियन कोर्स का सार्टिफिकेट) ।

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा दे चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है । जो उम्मीदवार उक्त किसी अर्हक (क्वालीफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाए । अन्य शर्तें पूरी होने पर ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की यदि अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण यथा शीघ्र और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने में प्रस्तुत नहीं करते हैं तो वह अनुमति रद्द कर दी जा सकेगी ।

टिप्पणी 2 : कुछ आपवादिक मामलों में केन्द्रीय सरकार किसी ऐसे उम्मीदवार को अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है जिसके पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है, जो उस सरकार की राय में परीक्षा में बैठने के लिए उचित है ।

(6) परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में स्कूल का निर्णय अन्तिम होगा ।

(7) किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायगा जब तक उसके पास स्कूल का प्रवेश पत्र न हो ।

(8) यदि कोई उम्मीदवार स्कूल द्वारा इस बात के लिए दोषी घोषित किया जाए या किया गया हो कि उसने दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा विलंबार्थ है या जाती प्रलेख अथवा ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें कि हेरा-फेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिए गए हैं या कोई महत्वपूर्ण बात छिपाई है या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है अथवा परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों का प्रयोग किया है या प्रयोग करने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में कोई दुर्व्यवहार किया है, तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त :—

(क) स्कूल उसे उम्मीदवारों के चुनाव के लिए स्कूल द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने से रोक सकता है, और

(ख) उपयुक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है ।

(9) यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोशिश करेगा तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है ।

(10) परीक्षा के बाद, स्कूल अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता क्रम तीन अलग-अलग सूचियां बनाएगा, और उसी क्रम से परीक्षा के परिणामों के आधार पर क्रमशः केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड 6 में भरे जाने के लिए निश्चित अनारक्षित रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार जितने उम्मीदवार परीक्षा द्वारा अर्हता प्राप्त होंगे, उनकी नियुक्ति के लिए स्कूल सिफारिश करेगा । लेकिन शर्त यह है कि अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियां सामान्य स्तर के आधार पर नहीं भरी जा सकतीं आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए, उतनी रिक्तियों तक के लिए सचिवालय प्रशिक्षण शाला द्वारा एक रियायती स्तर से किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की, यदि वे उम्मीदवार सेवा में वरण के लिए उपयुक्त हों, परीक्षा में योग्यताक्रम में उनकी स्थिति का विचार न करते हुए, सिफारिश की जा सकेगी ।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है, अर्हक परीक्षा नहीं । परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नश्रेणी ग्रेड के लिए प्रवर सूची में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह से सक्षम है । इसलिए इस परीक्षा में निष्पादन के आधार पर निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में नियुक्ति के लिए अधिकार के रूप में कोई उम्मीदवार दावा नहीं कर सकेगा ।

(11) हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाये, इसका निर्णय स्कूल अपने विवेकानुसार करेगा और स्कूल परिणामों, के संबंध में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा ।

(12) जब तक आवश्यक जांच के बाद सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता ।

(13) उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो । यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी । केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिन के बारे में नियुक्ति के संबंध में विचार किए जाने की सम्भावना हो ।

टिप्पणी : विकलांग भूतपूर्व सेवा के कामियों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरी बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा ।

(14) इस परिणाम के आधार पर की जानेवाली सभी नियुक्तियों के साथ एक शर्त यह होगी कि यदि उम्मीदवार ने सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल द्वारा ली गई अंग्रेजी या हिन्दी का कोई आवश्यक टंकण परीक्षा पहले ही पास न की हो तो वह नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संचालित अंग्रेजी में 30 शब्द अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति से ऐसी परीक्षा पास करेगा, ऐसा न करने पर जब तक वह परीक्षा पास नहीं कर लेता तब तक उसे वार्षिक वेतन वृद्धि (वृद्धियाँ) नहीं दी जायगी।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा की अवधि में उक्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो उसे अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में नियुक्त करने से पूर्व मूल नियुक्ति पर अथवा अस्थायी पद पर लौटा दिया जायगा।

टिप्पणी 1: परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त जिस उम्मीदवार ने उपर्युक्त निर्धारित आधार पर टंकण परीक्षा पहले ही पास कर ली हो उसे पहली वेतन-वृद्धि एक वर्ष के बजाय छः महीने के बाद दी जायगी, परन्तु इसे बाद में नियमित वेतन-वृद्धियों में समाविष्ट कर लिया जायेगा।

टिप्पणी 2: टिप्पणी 1 में उल्लिखित रियायत के अतिरिक्त दो अग्रिम वेतनवृद्धियाँ, जो अगली वेतन-वृद्धियों में समाविष्ट करली जायगी, उसे दी जायगी जो नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर अंग्रेजी में 40 शब्द अथवा हिन्दी में 35 शब्द प्रतिमिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेगा।

(15) यदि कोई उम्मीदवार, परीक्षा में प्रवेश-पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपने चतुर्थ श्रेणी पद की नियुक्ति से त्यागपत्र दे देता है अथवा और किसी कारणवश सेवा या सेवाएं छोड़ देता है अथवा उससे संबंध विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा वह संवर्ग-वाह्य पद पर अथवा अन्य सेवा में "स्थानान्तरण" पर नियुक्त किया जाता है और चतुर्थ श्रेणी पद पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार नहीं रहता है, तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त होने को पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग-वाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

एम० के० बासदेवन, अवर सचिव

परिशिष्ट

1. परीक्षा के विषय, समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे :—

विषय	अधिकतम अंक	स्वीकृत समय
(1) सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबंध		
(क) लघु निबंध	100	300 3 घंटे
(ख) सामान्य अंग्रेजी	200	
(2) सामान्य ज्ञान, भारत का भूगोल सहित	100	2 घंटे

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची में बतलाए गए अनुसार होगा।

3. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र (1) का विषय (क) अथवा प्रश्न-पत्र (2) अथवा दोनों का उत्तर अपनी इच्छानुसार हिन्दी (देवनागरी लिपि) अथवा अंग्रेजी में लिखने का विकल्प होगा। सभी उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्र (1) के विषय (ख) का उत्तर केवल अंग्रेजी में देना चाहिए।

टिप्पणी-1. प्रश्न-पत्र (2) का विकल्प पूर्ण प्रश्न-पत्र के लिए होगा न कि उसमें विभिन्न प्रश्नों के लिए।

टिप्पणी-2. जो उम्मीदवार उक्त प्रश्न-पत्रों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में लिखने के इच्छुक हों उन्हें आवेदन पत्र के कालम 19 में स्पष्ट रूप से अपनी इच्छा बतानी चाहिए। अन्यथा यह अनुमान कर लिया जायगा कि वे अंग्रेजी में उत्तर लिखेंगे।

टिप्पणी-3. एक बार प्रयोग किया गया विकल्प, अन्तिम होगा और विकल्प में परिवर्तन के लिए प्रार्थना पर कोई कार्य-वाही नहीं की जाएगी।

टिप्पणी-4. (1) (क) लघु निबंध तथा (2) सामान्य ज्ञान, भारत का भूगोल सहित के प्रश्न-पत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिये जाएंगे।

4. उम्मीदवार को उत्तर अपने हाथ से लिखना चाहिए। उन्हें किसी भी परिस्थिति में उत्तर लिखने के लिये किसी की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायगी।

5. सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी विषय अथवा सभी विषयों के पास होने के अंक निर्धारित करेगी।

6. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. अस्पष्ट लिखावट के लिए अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत अंक काट लिए जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में क्रमबद्ध, प्रभावी तथा यथार्थ और साथ ही कम शब्दों में अभिव्यक्ति के लिए विषय ध्यान और अंक दिये जायेंगे।

अनुसूची

परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

साधारण अंग्रेजी तथा लघु निबंध

(क) लघु निबंध :—कुछ निर्दिष्ट विषयों में से एक पर निबंध लिखना।

(ख) सामान्य अंग्रेजी :—उम्मीदवारों की निम्नलिखित विषयों की परीक्षा ली जायगी।

(1) आलेखन,

(2) सार-लेखन,

(3) प्रयुक्त व्याकरण, और

(4) आरंभिक सारणीकरण (सारणी के रूप में आंकड़ों का संकलन, व्यवस्थापन और प्रस्तुतीकरण के कार्य की उम्मीदवारों की योग्यता की जांच करने के लिए।

सामान्य ज्ञान, भारतीय भूगोल सहित

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन अवलोकन और अनुभव होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान, जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न-पत्र में भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1971

संकल्प**आदिवासी अनुसंधान संस्थानों सम्बन्धी अध्ययन दल**

सं० पी० सी०/एस० डब्ल्यू०/13(1)/69—योजना आयोग के संकल्प संख्या पी० सी०/एस० डब्ल्यू०/31(1)/69, दिनांक 18-8-1969 द्वारा गठित आदिवासी अनुसंधान संस्थानों सम्बन्धी अध्ययन दल की, विधि 1-9-1971 से 31-12-1971 तक के लिये आगे और बढ़ा दी गई है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाये तथा सभी सम्बन्धितों को भेजी जाये।
स्मरजित कुमार गंगोपाध्याय, संयुक्त सचिव,

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1971

संकल्प

सं० 55(17)/69-फर्ट-II—पेट्रोलियम और रसायन और खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम और रसायन विभाग) के संकल्प संख्या 55(17)/69-फर्ट-II दिनांक 5 अगस्त 1969 का संशोधन करते हुए, पैराग्राफ 5 के स्थान पर निम्न पैराग्राफ प्रतिस्थापित किया जाय :—

“आयोग अपनी रिपोर्ट 31 मार्च, 1972 को प्रस्तुत करेगा।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित किया जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों/विभागों को भेजी जाये।

एम० के० श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव

सिंचाई और बिजुत्त मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1971

संकल्प

सं० एफ० सी० 6(3)/70—इस मंत्रालय के तारीख 2 मार्च 1971 के इसी संख्या के संकल्प के अनुसार संशोधित रूप में इस मंत्रालय के तारीख 3 दिसम्बर, 1970 के संकल्प संख्या एफ० सी० 6(3)/70 में नीचे लिखे अनुसार आगे और संशोधन किया जाता है :—

मौजूदा पैरा 2 और 3 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित कर दिया जाए :—

“2. समिति चिल्का झील से समुद्र की ओर के निकास-मार्ग की हालत खराब होते जाने की समस्या की विस्तृत जांच करेगी और उस झील से समुद्र तक के लिए एक सरणि के विकास और रखरखाव के लिए सुझाव रखेगी जिसमें ऐसे उपायों पर आने वाली संभावित लागत और उससे होने वाले लाभों का संकेत भी देगी। समिति झील से लेकर समुद्र तक एक सरणि के विकास और रखरखाव के प्रस्ताव को ध्यान में रखते हुए झील पर किसी उपयुक्त स्थान पर एक मुछवाही बन्दरगाह के लिए स्वतन्त्र निर्धारण करने के प्रश्न की जांच भी करेगी और इसके लिए आवश्यक विचारिशे करेगी।

3. समिति मार्च, 1972 के अंत तक अपनी रिपोर्ट दे देगी।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प उड़ीसा की राज्य सरकार, योजना आयोग, संसदीय कार्य अहास्रानी और परिवहन मंत्रालय, कृषि-मंत्रालय, प्रधान मंत्री सचिवालय और राष्ट्रपति के निजि तथा सैनिक सचिव को सूचनार्थ भेज दिया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और उड़ीसा की राज्य सरकार से यह निवेदन किया जाए कि वे इसे सामान्य सूचनार्थ राज्य के राजपत्र में प्रकाशित करें।

बी० एस० बंसल, संयुक्त सचिव

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1971

संकल्प

सं० एफ० 29/19/71-बी(डी)—22 सितम्बर 1971 को हाई पावर ट्रांसमीटर, आकाशवाणी, खामपुर, दिल्ली में हुई बिजली दुर्घटना, जिसमें एक मकेनिक श्री श्री नन्ध की मृत्यु हो गई थी, के कारणों की जांच कराने के निर्णय के अनुसरण में, भारत सरकार ने एच जांच समिति गठित करने का निर्णय किया है जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :—

अध्यक्ष :

श्री आर० एल० नरसिंहम्, पटना उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्त मुख्य न्यायाधीश तथा विधि आयोग के भूतपूर्व सदस्य।
सदस्य :

(1) श्री बी० के० राव,

उप-महानिदेशक (प्रशासन),
आकाशवाणी, और

(2) श्री वी० ए० कृष्णमति,

मुख्य इंजीनियर (बिजली),

केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग।

2. समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :—

(1) उन परिस्थितियों की जांच करना जिनके कारण हाई पावर ट्रांसमिटर आकाशवाणी, खामपुर, दिल्ली में 22-9-71 को दुर्घटना हुई और श्री ब्रह्मा नन्द, मकेनिक की मृत्यु हुई और विशेषकर यह विचार करना कि मकेनिक की मृत्यु का कारण मानव चूक था या प्रक्रिया संबंधी खामियां; और

(2) भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उपाय सुझाना।

3. समिति की बैठकें आवश्यकतानुसार होंगी। समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, लेकिन समिति ऐसे अन्य स्थानों को भी दौरा कर सकेगी, जो विषय की ठीक जानकारी प्राप्त करने के लिए आवश्यक समझे जायें।

4. समिति अपनी कार्यविधि स्वयं निश्चित करेगी।

5. समिति अपना कार्य यथाशीघ्र आरम्भ करेगी और अपनी रिपोर्ट जांच आरम्भ करने के एक महीने के अन्दर सरकार को देगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, प्रधान मंत्री सचिवालय तथा सभी मंत्रालयों को भेज दी जाय। यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सर्व साधारण की सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

ए० एस० गिल, संयुक्त सचिव

संचार मंत्रालय

नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1971

सं० ए० 12025/1/71-सी०एण्डपी०—सम्बन्धित मंत्रालयों/विभागों की सहमति से निम्नलिखित पदों के रिक्त स्थान भरने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1972 में ली जाने वाली प्रति-योगिता परीक्षा के नियम आम सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

- (1) बेतार योजना और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर (श्रेणी-I)।
- (2) विदेश संचार सेवा, संचार मंत्रालय, में उप-इंजीनियर इन-चार्ज (श्रेणी-I)।
- (3) विदेश संचार सेवा, संचार मंत्रालय, में सहायक इंजीनियर (श्रेणी-I)।
- (4) विदेश संचार सेवा, संचार मंत्रालय, में तकनीकी सहायक (श्रेणी-II अराजपत्रित),
- (5) आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, में सहायक स्टेशन इंजीनियर (श्रेणी-I),
- (6) सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल सिमानन मंत्रालय, में तकनीकी अधिकारी (श्रेणी-I),
- (7) सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय, में संचार अधिकारी (श्रेणी-I), और
- (8) भारतीय नौसेना, रक्षा मंत्रालय, में उप-हथियार पूर्ति अफसर ग्रेड-II (श्रेणी-I)।

कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त पदों में से एक या अधिक पदों के लिए प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों को बरीयताक्रम से स्पष्ट रूप से दिखाना चाहिए जिनके लिए वह प्रतियोगी रहना चाहते हैं।

किसी उम्मीदवार की उन पदों के सम्बन्ध में दिखाई गई बरीयता को बदलने की प्रार्थना पर, जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, तब तक विचार नहीं किया जाएगा जबतक कि ऐसी अदला-बदली की प्रार्थना संघ लोक सेवा आयोग को परीक्षा के अन्तिम परिणाम घोषित करने की तारीख से 10 दिन पहले तक प्राप्त न हो जाए।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरे जाने वाले स्थानों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस द्वारा बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए सरकार जितना तय करे उतने स्थान आरक्षित किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों का अर्थ है वे जातियां/आदिम जातियां जिनका निम्नलिखित में उल्लेख है—संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951 जो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956 से संशोधित हैं और जो निम्नलिखित के साथ पठित हैं—बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960, संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956, संविधान (अन्वमान और निकोबार द्वीप) अनु-

सूचित जातियां आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जातियां आदेश, 1970।

3. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस नियमावली के परिशिष्ट I में दिए गए तरीके से ली जाएगी।

आयोग द्वारा परीक्षा की तारीखें और स्थान तय किए जा जाएंगे।

4. उम्मीदवार को निम्नलिखित में से एक होना चाहिए :—

- (क) भारत का नागरिक; या
- (ख) सिक्किम की प्रजा; या
- (ग) नेपाल की प्रजा; या
- (घ) भूटान की प्रजा; या
- (ङ) तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए 1 जनवरी, 1962 के पूर्व भारत में आ गया हो; या
- (च) व्यक्ति जो मूल रूप से भारतीय हो, और जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, लंका और पूर्वी अफ्रीका के केनिया, युगांडा तथा संयुक्त तंजानिया गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीवार) देशों से आया हो।

उपर्युक्त श्रेणी (ग), (घ), (ङ), और (च) अन्तर्गत आनेवाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार का दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे भी इस शर्त के साथ परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अस्थायी रूप से नियुक्त किया जा सकता है बशर्ते कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दिया जाए।

5. (क) इस परीक्षा का उम्मीदवार 20 वर्ष का हो चुका होना चाहिए और 1 अगस्त, 1972 को वह 25 वर्ष से अधिक उम्र का नहीं होना चाहिए, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1946 से पहले का नहीं होना चाहिए और 1 अगस्त, 1952 के बाद का नहीं होना चाहिए।

(ख) निम्नलिखित वर्ग के उरकरी कर्मचारियों के मामले में आयु की ऊपरी सीमा 25 वर्ष से 30 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है यदि वे नीचे दिये गए कालम 1 में दिये गए विभाग/कार्यालय में नियुक्त हों और कालम 2 में उनके सामने दिये गए पद (पदों) की परीक्षा के लिए आवेदन करें।

- (i) वह उम्मीदवार जो सम्बन्ध विधेय विभाग/कार्यालय में मौलिक रूप से स्थायी पद धारित करत हो। यह छूट उस परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी परिवीक्षाधीन अवधि के दौरान अनुमत्य नहीं होगी जिसे विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्त किया गया है।

- (ii) वह उम्मीदवार जो 1 अगस्त 1972 को किसी विशेष विभाग/कार्यालय में लगातार अस्थायी सेवा में है।

के भारत-लंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आ गया हो, तो अधिकतम तीन वर्ष तक ;

कालम 1	कालम 2
बेतार आयोजना तथा समन्वय स्कंध/ अनुश्रवण संघटन	इंजीनियर (श्रेणी 1) उप कार्यकारी इंजीनियर (श्रेणी I)
विदेश संचार सेवा	सहायक इंजीनियर (श्रेणी I) तकनीक सहायक (श्रेणी II अराजपद्धित)
आकाशवाणी	सहायक स्टेशन इंजीनियर (श्रेणी I)
सिविल विमानन विभाग	तकनीकी अधिकारी (श्रेणी I) संचार अधिकारी (श्रेणी I)
भारतीय नौसेना	उप-हथियार-पूर्ति अफसर, पदक्रम II (श्रेणी I)

वर्षों कि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त (ख) में उल्लिखित आयु की ऊपरी सीमा की छूट परीक्षा में तीन से अधिक बार बैठने के लिए नहीं दी जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई ऊपरी आयुसीमा निम्नलिखित के लिए भी बढ़ाई जा सकती है :—

- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिकतम पांच वर्ष तक
- यदि उम्मीदवार पूर्व पाकिस्तान से आया हुआ सदाशयी विस्थापित व्यक्ति हो और भारत में 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद आ गया हो तो अधिकतम तीन वर्ष तक ;
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का और पूर्व पाकिस्तान से आया हुआ सदाशयी विस्थापित व्यक्ति हो, और भारत में 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद आ गया हो, तो अधिकतम आठ वर्ष तक ;
- यदि उम्मीदवार पांडिचेरी संघ-क्षेत्र का निवासी हो और उसने किसी स्तर पर फ्रांसीसी भाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण की हो, तो अधिकतम तीन वर्ष तक ;
- यदि उम्मीदवार लंका से प्रत्यावर्तित सदाशयी भारत-मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964

(vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और लंका से प्रत्यावर्तित सदाशयी भारत-मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आ गया हो, तो अधिकतम आठ वर्ष तक ;

(vii) यदि उम्मीदवार भारत-मूलक हो और केन्या, युगान्डा या संयुक्त तंजानिया गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) देश से भारत आ गया हो तो अधिकतम तीन वर्ष तक ;

(viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से प्रत्यावर्तित सदाशयी भारत-मूलक व्यक्ति हो और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आ गया हो तो अधिकतम तीन वर्ष तक ;

(ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और बर्मा से प्रत्यावर्तित सदाशयी भारत मूलक व्यक्ति भी हो तथा 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आ गया हो तो अधिकतम आठ वर्ष तक ;

(x) यदि उम्मीदवार रक्षा सेवाओं का ऐसा व्यक्ति जो हो किसी अन्य देश के साथ युद्ध में या अशान्त क्षेत्र में लड़ते समय विकलांग हो गया हो और उसके परिणामस्वरूप सेवामुक्त कर दिया गया हो तो अधिकतम तीन वर्ष । किन्तु यह छूट उस उम्मीदवार को नहीं दी जाएगी जो पहले ही पांच बार यह परीक्षा दे चुका है ;

(xi) यदि उम्मीदवार रक्षा सेवाओं का ऐसा व्यक्ति हो जो अन्य देश के साथ युद्ध या अशान्त क्षेत्र में लड़ते समय विकलांग हो गया हो या और उसके परिणामस्वरूप सेवामुक्त दिया गया हो तथा जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का भी हो तो अधिकतम आठ वर्ष तक । किन्तु यह छूट उस उम्मीदवार को नहीं दी जाएगी जो पहले दस बार यह परीक्षा दे चुका हो ; और

(xii) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन या दीव के संघ क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिकतम तीन वर्ष ।

ध्यान दें (i) इस नियम के प्रयोजन के लिए यदि उम्मीदवार इस परीक्षा में एक या दो पदों के लिए बैठा हो तो वह परीक्षा के अन्तर्गत सभी पदों के लिए बैठा हुआ माना जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक विषयों में परीक्षा देता है तो उसे परीक्षा में बैठा हुआ माना जाएगा।

ध्यान दें (ii) यदि किसी उम्मीदवार को उच्च की उपर्युक्त (ख) रियायत के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो तो उसकी उम्मीदवारी तब रद्द कर दी जा सकती है जब परीक्षा के लिए आवेदन दे देने के बाद, लेकिन परीक्षा में बैठने के पहले या बाद, वह या तो नौकरी से इस्तीफा दे दे या उसकी नौकरी उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाए। किन्तु परीक्षा के आवेदन के बाद यदि उसके पद से या नौकरी से उसकी छटनी कर दी जाए तो वह परीक्षा के लिए पात्र बना रहेगा।

यदि परीक्षा के लिए विभाग को आवेदन-पत्र देने के बाद उम्मीदवार का स्थानान्तरण किसी अन्य विभाग/कार्यालय को कर दिया जाए तो भी उच्च की रियायत के अन्तर्गत उस पद के लिए प्रति-योगिता में बैठने में उसकी पात्रता में कोई अन्तर नहीं आएगा जिसके लिए वह स्थानान्तरण से पहले पात्र था, बशर्ते कि मूल विभाग ने उसका आवेदन-पत्र अंग्रेजित कर दिया हो।

उपर्युक्त उपबन्धों को छोड़ कर विहित आयु-सीमा किसी मामले में नहीं बढ़ाई जाएगी।

6. उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि:—

- (क) उसने भारत के केन्द्रीय या किसी राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित विश्वविद्यालय की अथवा संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित किसी अन्य शिक्षा संस्था की अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मानी गई संस्थाओं की इंजीनियरी डिग्री प्राप्त की हो; या
- (ख) उसने इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) की सह-सदस्यता की परीक्षा के खण्ड क और ख पास किया हो;
- (ग) ऐसे विदेशी विश्वविद्यालयों/कालेजों/संस्थाओं की इंजीनियरी डिग्री/डिप्लोमा ऐसी शर्तों के अधीन प्राप्त किया हो जिन्हें सरकार ने समय-समय पर मान्यता दी हो;
- (घ) 'इंस्टीट्यूशन आफ टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स (इंडिया)' की स्नातक सदस्यता परीक्षा पास की हो; या
- (ङ) बेतार संचार, इलेक्ट्रानिकी, रेडियो भौतिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय सहित एम० एस० सी० या उसके समकक्ष डिग्री प्राप्त की हो; या

(च) "इंस्टीट्यूशन आफ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड रेडियो इंजीनियर्स, लन्दन" की नवम्बर 1959 के बाद की ग्रेजुएट मैम्बरशिप परीक्षा पास की हो।

"दि इंस्टीट्यूशन आफ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड रेडियो इंजीनियर्स, लन्दन" की नवम्बर 1959 से पहले की परीक्षा भी निम्नलिखित शर्तों के साथ स्वीकार की जाती है —

- (1) यदि उम्मीदवार ने नवम्बर 1959 के पहले की परीक्षा पास की हो तो यह आवश्यक है कि वह 1959 के बाद की ग्रेजुएट मैम्बरशिप परीक्षा योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में भी बैठा हो और उत्तीर्ण हुआ हो:—
 - (i) रेडियो और इलेक्ट्रानिक-I के सिद्धांत (अनुभाग 'क')
 - (ii) गणित I (अनुभाग 'ख')
- (2) ऊपर की शर्त (1) पूरी करने के प्रमाणस्वरूप सम्बन्धित उम्मीदवार को 'इंस्टीट्यूशन आफ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड रेडियो इंजीनियर्स, लन्दन' का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

नोट 1:—आयोग अपवादस्वरूप ऐसे उम्मीदवारों को भी शैक्षणिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिनके पास इस नियम में निर्धारित कोई योग्यताएं तो न हों किन्तु जिन्होंने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनका स्तर आयोग की राय में ऐसा हो कि परीक्षा में प्रवेश देना उचित सिद्ध हो।

नोट 2:—यदि उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें पास हो जाने पर वह इस परीक्षा में बैठने का हकदार हो जाता है तो वह परीक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है भले ही उस परीक्षा के परिणाम की सूचना उसे अभी न मिली हो। जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी आवेदन कर सकता है, परन्तु शर्त यह है कि अर्हक परीक्षा उस प्रति-योगिता परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाने वाली हो। ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा में तो बैठने दिया जाएगा परन्तु शर्त यह है कि वह अन्यथा इसके पात्र हों। परन्तु ऐसी अभिस्वीकृति अनन्तिम ही मानी जाएगी और यदि वह जल्दी से जल्दी इस बात के प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाए तो इस अभिस्वीकृति को रद्द किया जा सकता है। हर हालत में उन्हें अर्हक परीक्षा पास कर लेने के प्रमाण इस परीक्षा के शुरू होने के बाद दो महीने के भीतर भेज देने पड़ेंगे।

नोट 3:—यदि किसी उम्मीदवार के पास किसी विदेशी विश्व-विद्यालय की ऐसी डिग्री हो जिसे सरकार से मान्यता प्राप्त न हो लेकिन यह उम्मीदवार यदि अन्यथा योग्य हो तो वह भी आवेदन कर सकता है और उसे भी आयोग के विवेकानुसार परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के अनुबंध में निर्धारित फीस अवश्य देनी चाहिए।

8. पहले से ही सरकारी नौकरी में लगे हुए उम्मीदवार को, चाहे वह स्थायी हो या अस्थायी, परीक्षा में बैठने के लिए विभागाध्यक्ष की अनुमित प्राप्त कर लेनी चाहिए।

9. कोई उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र है या नहीं इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग का प्रमाण-पत्र न हो तब तक उसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

11. किसी उम्मीदवार की ओर से किसी भी प्रकार के साधनों के द्वारा अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए किया गया किसी भी प्रकार का प्रयास उसे प्रवेश के लिए अयोग्य कर देगा।

12. कोई भी उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिए पररूप धारण करने या गठे हुए या छेड़े गए प्रलेख प्रस्तुत करने का या गलत या झूठे बयान देने का या सारवान सूचना छिपाने का या अन्य प्रकार से किन्हीं अन्य अनियमित या अनुचित साधनों का सहारा लेने का या परीक्षा भवन में बेजा तरीकों का उपयोग करने का या उपयोग का प्रयास करने का या परीक्षा भवन में अश्रद्धा व्यवहार का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो, आपराधिक अध्यारोपण का भागीदार बनने के साथ ही साथ,—

(क) स्थायी रूप से या किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए:—

(i) उम्मीदवारों को प्रवरण के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा में प्रवेश से या लिए जाने वाले किसी इंटरव्यू में उपस्थित होने से आयोग द्वारा; और

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन नौकरी से; उसे वर्जित कर दिया जाएगा।

(ख) यदि यह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपयुक्त नियमावली के अन्तर्गत उसके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

13. आयोग स्वविवेक से लिखित परीक्षाओं के लिए जो न्यूनतम अर्हक अंक नियत करेगा, परीक्षा में उतने न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की व्यक्तिगत परीक्षण हेतु इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा।

14. परीक्षा के बाद आयोग, प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंततः प्राप्त कुल अंकों के आधार पर बताए गए गुणानुक्रम से सभी उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और परीक्षा के आधार पर जितनी अनारक्षित रिक्तियों को भरे जाने का निर्णय किया गया हो उतने उम्मीदवारों को उसी क्रम में नियुक्ति की सिफारिश करेगा।

शर्त यह है कि, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरम्भिक स्थानों में से जितने यह सामान्य-मानक के आधार पर भरे जाने से रह जाएं, उस सीमा तक, आयोग आरक्षित कोटे की कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों की छूट प्राप्त मानक के आधार पर सिफारिश की जा सकती है, बशर्ते कि परीक्षा के योग्यता-क्रम में उनकी प्रस्थिति (रैंक) कोई भी क्यों न हो, वे उक्त पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. परीक्षा का परिणाम किस रूप में और किस भांति उम्मीदवारों को सूचित किया जाए इस बात का निर्णय आयोग

स्वविवेक से करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16. उम्मीदवारों ने अपने आवेदन के समय विभिन्न पदों के लिए जो पसन्द जाहिर की होगी परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियां करते समय उनकी उस पसन्द का भी समुचित ध्यान रखा जाएगा।

17. आवश्यक जांच के बाद सरकार जब तक इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि लोक सेवा में नियुक्ति के लिए उम्मीदवार सभी दृष्टि से उपयुक्त हैं तब तक परीक्षा की सफलता से उम्मीदवार को नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं मिलेगा।

18. उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष न हो जो उस सेवा के अफसर के रूप में उसके कर्तव्य पालन में बाधा डाले। यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित शारीरिक जांच के बाद जिस उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाएगा कि उसका स्वास्थ्य आवश्यक स्तर का नहीं है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षा के लिए योग्य घोषित किए गए उम्मीदवारों को जिस स्थान पर इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा, उनकी शारीरिक जांच भी इंटरव्यू के शीघ्र ही पहले या बाद में उसी स्थान पर की जाएगी। उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड को रु० 16.00 फीस देनी होगी। किसी उम्मीदवार की शारीरिक जांच की जा चुकी है इस बात का अर्थ या आशय यह नहीं होगा कि उसकी नियुक्ति के बारे में विचार किया जाएगा।

उम्मीदवारों को निराशा से बचने के लिए परामर्श दिया जाता है कि परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने से पूर्व ही वे अपनी परीक्षा सिविल सर्जन की हैसियत के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से करा लें। राजपत्रित पदों पर नियुक्ति से पूर्व उम्मीदवार की किस प्रकार की स्वास्थ्य परीक्षा होगी, इसका और उस परीक्षा में अपेक्षित स्तरों का विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है। रक्षा सेवा के भूतपूर्व विकलांग कामियों के लिए प्रत्येक पद की आवश्यकताओं के अनुरूप उक्त स्तरों में शिथिलता कर दी जाएगी।

19. कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विधिपूर्वक विवाह कर लिया हो जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित हो;

(ख) या जिसने अपनी पत्नी/अपने पति के जीवित रहते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विधिपूर्वक विवाह कर लिया हो;

नौकरी में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

शर्त यह है कि केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसे व्यक्ति और दूसरे पक्ष की लागू होने वाली स्वधर्म विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य कारण भी हैं, किसी भी व्यक्ति पर इस नियम के लागू किए जाने से छूट दे सकेगी।

20. जिन पदों के लिए इस परीक्षा द्वारा भरती की जा रही है, उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

रघुबीर सिंह अग्रवाल, अवर सचिव

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा का संचालन नीचे बताई गई योजना के अनुसार किया जाएगा।

भाग I—नीचे बताए अनुसार अनिवार्य और वैकल्पिक प्रश्न पत्र। इन प्रश्न-पत्रों के लिए निर्धारित स्तर और पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट की सूची में दिया गया है।

भाग II—जिन उम्मीदवारों को आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु बुलाया जाए उनके व्यक्तित्व परीक्षण जिसके अधिकतम अंक 200 होंगे। (कृपया नीचे पैरा 6 देखिए)।

2. लिखित परीक्षा नीचे लिखे विषयों में होगी :—

विषय (1)	समय (2)	अधिकतम अंक (3)
(घंटे)		
(क) अनिवार्य		
(1) अंग्रेजी निबन्ध	1½	50
(2) सामान्य अंग्रेजी	1½	50
(3) सामान्य ज्ञान और सामयिक मामले	1½	50
(4) विज्ञान का इतिहास	1½	50
(5) रेडियो भौतिकी	3	100
(6) इलैक्ट्रॉनिक सामग्री और अवयव	3	100
(7) अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिकी परिपथ	3	100
(8) विद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी	3	100
		(विद्युत् इंजीनियरी के लिए 60 अंक और यांत्रिक इंजीनियरी के लिए 40 अंक)
(ख) वैकल्पिक :—		
निम्नलिखित विषयों में से कोई से विषय :—		
(1) ध्वनि विज्ञान के सिद्धान्त	3	100
(2) संचरण लाइनें और जाल	3	100

(1)	(2)	(3)
(3) ऐन्टेना और तरंग संचरण	3	100
(4) गणित	3	100
(5) रेडार और सूक्ष्म तरंग इंजीनियरी, जिसमें नौ संचालन हेतु रेडियो सहायक यंत्र भी शामिल हैं।	3	100
(6) प्रसारण और टेलीविजन तन्त्र	3	100

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

4. उम्मीदवारों को उत्तर स्वयं अपने-हाथों से ही लिखने होंगे। किसी भी हालत में, उत्तर लिखने के लिए उन्हें किसी अन्य व्यक्ति (स्काइव) की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक नियत करेगा।

6. व्यक्तित्व परीक्षण में उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल करने की क्षमता, जिज्ञासा, व्यवहार पटुता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक स्वपूर्ति, व्यावहारिक उपयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा का मूल्यांकन करने की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

7. कोरे सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. अस्पष्ट लिखावट के लिए, लिखित विषयों में अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत अंक तक काटे जा सकते हैं।

9. परीक्षा के सभी विषयों में कमबद्ध, प्रभावशाली और कम-से-कम शब्दों में विचारों की सफल अभिव्यक्ति के लिए श्रेय दिया जाएगा।

10. उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली से अनभिज्ञ हों। जहां कहीं आवश्यक होगा, प्रश्न-पत्रों की तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली के प्रयोग से सम्बद्ध प्रश्न दिए जाएंगे।

ध्यान दें—जहां कहीं आवश्यक होगा उम्मीदवारों को संदर्भ के प्रयोजन से परीक्षा हाल में भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित और प्रकाशित मीट्रिक एककों की तालिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

परिशिष्ट I की अनुसूची

स्तर और पाठ्य-विवरण

अंग्रेजी निबन्ध, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान और सामयिक मामले, और विज्ञान के इतिहास के प्रश्नपत्रों का स्तर ऐसा रहेगा जैसा कि इंजीनियरी/विज्ञान के स्नातकों से अपेक्षित है। किसी भी विषय में प्रयोगात्मक परीक्षा नहीं ली जाएगी।

रेडियो भौतिकी, इलेक्ट्रानिक सामग्री और अवयव अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रानिक परिपथ तथा विद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी के प्रश्न-पत्र, भारतीय विश्वविद्यालयों की इंजीनियरी डिग्री के स्तर के रहेंगे। ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे पता चल सके कि उम्मीदवार ने प्रत्येक विषय की आधारभूत बातों को भली-भांति समझ लिया है या नहीं।

वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का स्तर इस तरह का रखा जाएगा कि उनको हल करने के लिए उसी तरह के विशद ज्ञान की जरूरत रहेगी जैसी इंजीनियरी समस्याओं के हल के लिए आवश्यक रहती है :—

(1) अंग्रेजी निबन्ध : दिये गये अनेक विषयों में से एक पर निबन्ध अंग्रेजी में लिखा जाएगा।

(2) सामान्य अंग्रेजी : उम्मीदवारों की अंग्रेजी समझने और लिख सकने की क्षमता को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाएंगे। सारांश (समरी) और प्रेसी बनाने के लिए उद्धरण सामान्यतः दिये जाएंगे।

(3) सामान्य ज्ञान और

सामयिक मामले : इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न भी रखे जाएंगे जो सामयिक घटनाओं और दैनिक जीवन के अवलोकन और अनुभव संबंधी ज्ञान की परख करेंगे। इस प्रश्न-पत्र में भारतवर्ष के इतिहास और भूगोल पर भी प्रश्न सम्मिलित किए जाएंगे।

(4) विज्ञान का

इतिहास : विज्ञान के उद्भाव और विकास का इतिहास। महान वैज्ञानिक और विज्ञान के क्षेत्र में उनकी देन।

(5) रेडियो भौतिकी : चुम्बकत्व; परिभाषाएं और यूनिट; चुम्बकीय प्रेरण; हिस्टेराइसिस; चुम्बकीय परिपथ।

विद्युत् मात्रक, डाईइलेक्ट्रिक पदार्थ, चार्ज, प्रत्यावर्ती (आलटरनेटिंग) और दिष्ट (डायरेक्ट) धारा; ऐसे परिपथ जिनमें प्रतिरोध रहता है; प्रेरकत्व और संधारित्र; अनुनाद (रेसनेन्स), वरणक्षमता पर सिलेक्टिविटी का प्रभाव, धारा, बोल्टता और शक्ति संबंध।

समस्वरित और असमस्वरित एम्पलीफायर, दोलित (आसिलेटर), आवृत्ति स्थायित्व, आवृत्ति

गुणक (मल्टीप्लायर) और हार्मोनिक जनित, माड्युलक (माड्युलेटर)।

अभिग्रहण (रिसेप्शन) के सिद्धान्त : डायवर्सिटी अभिग्रहण, सुपरहेटेरोडाइन अभिग्राहित (रिसीवर)।

रेडियो टेलीग्राफ रेडियो टेलीफोन संचार और प्रसारण तन्त्र, तरंग दैर्घ्य और शक्ति विचार, सिग्नल-शोर अनुपात सम्बन्धी अपेक्षाएं, तरंग संचरण और प्रेषण (ट्रांसमिशन) के सिद्धान्त, एरियल, प्रदायक (फीडर) और सुमेलन (मैचिंग) युक्तियां।

आयाम माँडुलन, आवृत्ति माँडुलन और फेज माँडुलन के सिद्धान्त और संचार तन्त्रों में उनके उपयोग।

भाषण और श्रवण : उच्चारण (आर्टिकुलेशन) ध्वानिकी के मूलभूत सिद्धान्त।

(6) इलेक्ट्रानिक सामग्री और अवयव :—विभिन्न प्रकार की चालक व डाईइलेक्ट्रिक सामग्री; पाइजोइलेक्ट्रिक और फेरोइलेक्ट्रिक सामग्री और ट्रांसड्यूसर; विभिन्न आकृति तथा समान परिपथ के स्फर्टक क्रिस्टल।

विभिन्न प्रकार की चुम्बकीय सामग्री और फेराइट—उनकी विशेषताएं और उपयोग, स्थायी चुम्बक।

प्रतिरोधक, संधारित्र, प्रेरक और ट्रांसफार्मर; उनके विभिन्न प्रकार, रचना सिद्धान्त, विशेषताएं, कार्य और अनुप्रयोग।

विद्युत् तथा चुम्बकीय क्षेत्रों में इलेक्ट्रानिक उत्सर्जन तथा गति।

इलेक्ट्रानिक ट्यूब, जिनमें कैथोड रे ट्यूब तथा अन्य विशेष उद्देश्य से काम आने वाली ट्यूबें, सूक्ष्म तरंग ट्यूबें, गैस और फोटो ट्यूबें शामिल हैं, रचना के सिद्धान्त, विशेषताएं तथा प्ररूपी (टिपिकल) अनुप्रयोग।

अर्धचालक और उनके गुण-कार्य, अर्धचालक युक्तियां, जिन में, डायोड, सी० एस० आर० टनल डायोड, ट्रांजिस्टर तथा प्रकाश सम्बन्धी (फोटो सेंसिटिव) युक्तियां शामिल हैं, मुद्रित परिपथ के मूलभूत सिद्धान्त।

रिले : विद्युत् चुम्बकीय तथा उष्मीय प्रकार के; उनकी विशेषताएं; कार्य तथा अनुप्रयोग।

(7) व्यावहारिक (एम्प्लाइड) इलेक्ट्रानिक परिपथ :—निम्नलिखित में निहित परिपथ सिद्धान्त :

निर्वात ट्यूब एम्पलीफायर, विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए। प्ररूपी परिपथ, पुनः प्रदाय (फीड बैक) विस्तृत-बैंड एम्पलीफायर, डी० सी० एम्पलीफायर।

ट्रांजिस्टर एम्पलीफायर प्ररूपी (टिपिकल) परिपथ। तापमान स्थायित्व के लिए डिजाइन।

निम्न और उच्च आवृत्ति दोलित, परम्परागत (कन्वेंशनल) परिपथ रिलेक्सेशन दोलित, आवृत्तिगुणक और विभाजक (डिवाइडर) आवृत्ति स्थायीकरण स्पंद (पाल्स) और प्रसर्प (स्वीप) परिपथ, गणक (काउंटिंग) परिपथ। माड्युलक और विमाड्युलक (डिरेक्टर्स) आयाम, आवृत्ति, और फेज माड्युलन।

इलेक्ट्रानिक उपकरणों के शक्ति प्रदाय तंत्र :—दृष्टिकारी, फिल्टर, वोल्टता नियमित शक्ति प्रदाय (सप्लाइज)।

प्रेरणिक (इंडक्शन) तापन (हीटिंग) वेल्डन और विद्युत् मोटरों की चाल-नियंत्रण के औद्योगिक इलेक्ट्रानिक परिपथ।

टेलीविजन अभिग्राहित्रों में प्रयुक्त प्ररूपी परिपथ।

(8) विद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी :—(क) विद्युत् इंजीनियरी—डी० सी० मोटर और जनित्र (जनरेटर)—उनके अभिलक्षणिक और सामान्य लक्षण, मोटर प्रवर्तक (स्टार्टर) प्राथमिक और द्वितीयक सेल।

ए० सी० परिपथ शक्ति गुणांक, ट्रांसफार्मर, आल्टरनेटर तुल्यकाली (सिन्क्रोनस) और प्रेरण (इंडक्शन) मोटर, प्रवर्तक (स्टार्टिंग) युक्तियां।

दृष्टिकारी और घूर्णी परिवर्तित (रोटरी कन्वर्टर्स)।

विद्युत् मापयंत्र और मापन :—डी० सी० और ए० सी० परिपथों में बोल्टता, धारा और शक्ति मापन, विभिन्न प्रकार के मापयंत्र और उनकी विशेषताएं। प्ररूपी (ट्रिपिकल) ब्रिज।

(ख) यांत्रिक (मेकेनिकल) इंजीनियरी :—पदार्थों के गुणा-धर्म और सांद्रता, तनाव (टेंशन), संपीडन (कम्प्रेशन) और अपरूपण (शियर) में प्रतिबल (स्ट्रेस) और विकृति (स्ट्रेन), हक का नियम, प्रत्यास्थता के स्थिरांक (इलेस्टिक कान्स्टेंट), धरनों में आघूर्ण बल।

अन्तर (इंटरनल) दहन (कम्बर्शन) इंजन—प्रमुख घटक एकक और कार्य सिद्धान्त।

सरल मशीनी औजार (मशीन टूल्स) और उनके उपयोग।

शक्ति संचारण—ब्रेल्ट और गियर चालन (डाइव), सीधा (डायरेक्ट)।

युग्मन (कपलिंग), घर्षण नियम, स्नेहक (लुब्रिकेंट) और स्नेहन तन्त्र।

फेरस और नान-फेरस पदार्थ और उनके गुण-धर्म।

(9) ध्वनिकी के सिद्धांत :—ध्वनि तरंग समीकरण, कंपमान (वाइब्रेटिंग), तन्त्र ध्वनि संचारण, विद्युत्-यांत्रिक—ध्वनिक परिपथ और फिल्टर।

कक्ष ध्वनिकी, ध्वनि अवशोषण और रोधन (इन्सुलेशन) अनुरणन, प्रसारण स्टुडियो की डिजाइन।

ट्रांसड्यूसर :—माइक्रोफोन लाउडस्पीकर, डिजाइन अभिलक्षण, मापन और अंशांकन (कैलीब्रेशन)।

नियंत्रण, ध्वनि रोधन, मापन।

• श्रवण और वाक शक्ति मनो—ध्वानिक मानदंड, श्रव्यता मापी द्वारा मापन। उच्च तद्रूपता (फाइडेलिटी) तन्त्र, डिस्क, चुम्बकीय और फिल्म अभिलेखन और प्रतिश्रवण (प्लेबैक सिस्टम)।

(10) संचारण (ट्रांसमिशन) लाइन और जाल (नेटवर्क) :—दो टर्मिनल जाल : आर० एल० और सी० का संयोग, ट्रांसफार्मर के तुल्य जाल की प्रतिबाधा (इम्पीडेंस)। दो टर्मिनल जालों का विश्लेषण और संश्लेषण।

चार टर्मिनल जाल, रैखिक (लीनियर) पैरामीटर—प्रतिबिम्ब (इमेज) और इतरेटिव पैरामीटर, टर्मिनेशन, हानि गुणांक निवेशन (इन्सर्शन) हानि। टैंडम सम्बन्ध परावर्तन और अन्योन्य (इन्टर-एक्शन) हानियां। टी० (I) और एच० (H) किस्म के क्षीणन (एट्टेन्यूएशन) बैंड और सैतव (ब्रिज) टी० (I) जाल स्टिर (कॉस्टेंट) प्रतिरोध पुनरावृत्ति (रिकरेंस) जाल—समकारी (इक्वेलाइजर)।

तरंग फिल्टर, पारक (पास) और क्षीणन बैंडों के लिए प्रतिबन्ध (कंडीशन), प्रतिबिम्ब (इमेज) पैरामीटर पर आधारित फिल्टर डिजाइन के सिद्धान्त। एक समान के० (K) और एम० (M) व्युत्पन्न फिल्टर खण्ड (सैक्शन)। निम्न पारक (लोपास), उच्च पारक (हाइपास) और बैंड पारक फिल्टर (3, 4, 5 और 6 अवयव एलीमेंट) वाले। मिश्र (काम्पोजिट) और पूरक (काम्प्लीमेंटरी) फिल्टर। फिल्टरों का समानांतरण (पेरिलिंग) क्षय (डिसिपेशन) और टर्मिनेशन का प्रभाव। आवृत्ति और प्रतिबाधा प्रसार-मान्यीकरण (नार्मलाइजेशन)। निम्न पारक के उच्च पारक और बैंड फिल्टर की डिजाइनों में समांतरण (ट्रांसफार्मेशन)। विद्युत् तरंग फिल्टर डिजाइन के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

विद्युत् रेखा के गुण-धर्म, विद्युत् रेखाओं के आर० एल० सी० मात्रात्मक मूल्य। प्रेषण लाइन समीकरण, क्षणिक और फेज शिफ्ट। प्रेषण लाइन में परावर्तन, किसी भी ओर समाप्त रेखा का समीकरण, परावर्तन से हानियां और परावर्तन घटक। अप्रगामी तरंगें, संपूर्ण और आंशिक परावर्तन युक्त लाइनों की अवस्था—वृत्त आरेख।

निम्न आवृत्ति की संचारण लाइन, अभिलक्षण (कैरेक्टेरिस्टिक्स), टेलीग्राफ और टेलीफोन कार्य (वर्किंग) में विकृति (डिस्टॉर्शन)—लोडिंग।

उच्च आवृत्ति संचारण लाइन, अभिलक्षणिक—खुले (ओपन) तार और संकेन्द्री (कान्संट्रिक) प्रदायक (फीडर), प्रतिबाधा अवयव के रूप में संचारण लाइन, अनुनादी (रेजीनेंट) लाइनें—एच० एफ० (HF) लाइनों का सुमेलन (मैचिंग)।

11. एन्टेना और तरंग संचरण प्रोपेगेशन :—विद्युत्—चुम्बकीय समीकरण, विद्युत् चुम्बकीय तरंगों का विकिरण (रेडियेशन) क्षेत्र (फील्ड) तीव्रता (इन्टेन्सिटी)।

विकिरण (रेडियेशन) आकृति (पैटर्न) विशात्मक तन्त्र एन्टेनाओं की लब्धि (गेज), माध्यम (मोडियम) लघु (शार्ट) तरंग और अति (वेरी), उच्च (हाई) आवृत्ति (फ्रीक्वेन्सी), के दिशात्मक एन्टेनाओं की व्यावहारिक डिजाइन। अभिग्राही (रिसीविंग) एन्टेना तन्त्र। दिशा (डायरेक्शन) निर्धारक (फाइन्डर) के एन्टेना।

रेडियो आवृत्ति संचारण लाइनें, युग्मक कपलिंग जाल (नेटवर्क), संचारण लाइनों का सुमेलन (मैचिंग), प्रदायक (फीडर) लाइनों और स्विचन तन्त्रों के व्यावहारिक (प्राैक्टिकल) डिजाइन।

संचरण—भूमिमार्गी, क्षोभ मंडलीय (ट्रोपोस्फेरिक) और आयन मंडलीय (आयनास्फेरिक), वायु वैद्युत् शोफ (एटमास्फेरिक्स) और क्षेत्र (फील्ड) तीव्रता (स्ट्रेन्थ) सम्बन्धी मापन।

(12) गणित

मूल (फंडामेंटल) धाराएं

फंक्शन—औसत दरें (रेट्स)—सीमाएं (लिमिट्स)।

मूल (बेसिक) संक्रियाएं (आपरेशन)।

अवकलज (डेरिवेटिव्स)—अवकल (डिफरेंशियल) उच्चतर अवकलज उच्चिष्ठ (मैक्सिमा) और निम्नष्ठ (मिनिमा)—समाकल (इंटीग्रल)।

निश्चित (डिफिनिट) समाकल, आगे की संक्रियाएं। समाकलन (इंटीग्रेशन) तकनीकी—दि (डबल) समाकल, अनन्त श्रेणी (सीरीज)।

परिभाषाएं—गुणोत्तर (ज्यामैट्रिक) श्रेणी (सीरीज), अभिसारी (कॉन्वर्जेंट) और अपसारी (डायवर्जेंट) श्रेणी—व्यापक (जनरल) प्रमेय (थोरोम्स)—तुलना—परीक्षण—काची का समाकल (इंटीग्रल) परीक्षण काची का रेडियो परीक्षण—एकांतर (आल्टरनेटिंग) श्रेणी—निरपेक्ष अभिसरण (कॉन्वर्जेंस) घात (पावर) श्रेणी—घात श्रेणियों सम्बन्धी प्रमेय-फंक्शन की श्रेणियां और एक समान अभिसरण श्रेणियों का समाकलन (इंटीग्रेशन) और अवकलन (डिफरेंशियेशन)—टेलर की श्रेणियां टेलर की श्रेणियों का प्रतीकात्मक रूप—घात श्रेणियों द्वारा समाकलों का मूल्यांकन—मैकलारिन की श्रेणियों से व्युत्पन्न सन्निकट सूत्र (फारमूला)—फंक्शनों के परिकलन (कॉम्प्यूटेशन) के लिए श्रेणियों का उपयोग—अनिवार्य (इन्डिटेरमिनेट) रूप लेने वाले फंक्शनों का मूल्यांकन। सम्मिश्र (कॉम्प्लेक्स) संख्याएं (नंबर)।

परिचय—संमिश्र संख्याएं—संमिश्र संख्याओं को बदलने (मेनीपुलेशन) के नियम—ग्राफी (ग्राफिक) निरूपण और त्रिकोणमितीय (ट्रिगनामेट्रिक) रूप (फार्म), घात और मूल (रूट्स)—एक्सपोनेंटी और त्रिकोणमितीय फंक्शन—अतिपरवलयिक (हाईपरबोलिक) फंक्शन—लाग्रेथमिक फंक्शन—प्रतिलोभ (इन्वर्स) अतिपरवलयिक और त्रिभुज-मितीय फंक्शन।

आवर्ती (पीरियाडिक) घटनाओं (फिनामिना) का गणितीय निरूपण।

फूरिए श्रेणी और फूरिए समाकल।

परिचय—सरल आवर्त (हार्मोनिक) कंपन (वायब्रेशन)—अधिक जटिल आवर्ती घटनाओं का निरूपण, फूरिये श्रेणी—फंक्शनों के फूरिये प्रसार (एक्सपेंशन) के उदाहरण—फूरिये श्रेणी के अभिसरण के बारे में कुछ बातें—प्रभावी मान और गुणनफल का औसत माडुलित कंपन और विस्पंद (बीट)। आवर्ती विक्षोभों का तरंगों के रूप में संचरण—फूरिये समाकल।

एकघाती (लीनियर) बीजगणिती समीकरण—डिटर्मिनेंट और मैट्रिक्स।

सरल डिटर्मिनेंट—मूल परिभाषाएं—लाप्लास प्रसार—डिटर्मिनेंट के मूल गुणधर्म संख्यात्मक डिटर्मिनेंटों का मूल्यांकन—मैट्रिक्स की परिभाषा—विशेष मैट्रिक्स—मैट्रिक्सों की समानता।

जोड़ और घटाना—

मैट्रिक्सों का गुणनफल—मैट्रिक्सों का विभाजन।

पक्षतांतरित (ट्रांसपोज) और व्युत्क्रमित (रेसीप्रोकेट) गुणनफल का उत्क्रमण नियम उत्क्रम मैट्रिक्स—विकर्ण (डायगोनल) और तत्समकारी (यूनिट) मैट्रिक्सों—के गुण धर्म—मैट्रिक्सों का उपमैट्रिक्सों में विभाजन—विशेष प्रकार के मैट्रिक्स—एन (N) एकघाती समीकरणों का एन (N) अज्ञातों (अननोन) में हल।

अक्षर (कॉस्टैंड) गुणकों (कोएफिलियेंट्स) वाले एकघाती (लीनियर)

अवकल (डिफरेंशियल) समीकरण :—

समानीत (रिड्यूसड) समीकरण, पूरक (कॉम्प्लीमेंटरी) फंक्शन—संकारक (ऑपरेटर) के गुणधर्म—अनिर्धारित (अनडिटर्मिन्ड) गुणकों की विधि—सरल (सिम्पल) सीधा (डायरेक्ट) लाप्लास—अक्षर गुणकों वाले एकघाती अवकल समीकरणों को हल करने की संक्रियात्मक (आपरेशनल) या रूपांतरण (ट्रांसफार्म) विधि—रूपांतरों (ट्रांसफार्म) का सीधा परिकलन (कॉम्प्यूटेशन) अक्षर गुणकों वाले एकघाती अवकल समीकरणों का निकाय (सिस्टम)।

अवकल समीकरणों के हल में उपयोगी लाप्लास रूपांतर

अंकन पद्धति (नोटेशन)—मूल प्रमेय

रेखिक (लीनियर) पिंडित (लम्ब) विद्युत परिपथों के दोहन

विद्युत परिपथ सिद्धान्त :—ऊर्जा आधारित विचार—सामान्य मालाबद्ध परिपथ का विश्लेषण—संधारित का चार्ज और विसर्जन (डिस्चार्ज)—परिमित (फाइनाइट) विभव (पोटेन्शियल) स्पंद का प्रभाव—सामान्य जाल (नेटवर्क) का विश्लेषण—स्थिर अवस्था के हल—प्रत्यावर्ती (आल्टरनेटिंग) धारा की स्थिर अवस्था के चार्टमिनल वाले जाल—चार्टमिनल जाल के रूप में संचरण लाइन।

आंशिक अवकलन

आंशिक अवकलन (डेरिवेटिव)—टेलर प्रसार का प्रतीकात्मक रूप—संयुक्त फलनों (फंक्शनों) का अवकलन—चरों (वैरिएबिलों) के परिवर्तन—प्रथम अवकल (डिफरेंशियल)—अस्पष्ट (इम्प्लिसिट) फंक्शनों का अवकल—उच्चिष्ठ (मैक्सिमा) और निम्नष्ठ (मिनिमा)—निश्चित (डिफिनिट) समाकल का अवकल—समाकल चिह्न के अन्तर्गत समाकलन—कुछ निश्चित समाकलों का मूल्यांकन-विवरण (वैरियेशन) कलन (कैल्कुलस) के मूल तत्व-विचरण कलन के प्रधान (फंडामेंटल) सूत्रों का सारांश—हैमिल्टन का सिद्धान्त—लाग्रांजी समीकरण—गौण (एक्सटेंसरी) अवस्था (कंडीशन) वाले विचरण के प्रश्न-समपरिमापी (आइसोपेरिमेट्रिक) समस्याएं।

सदिश (वेक्टर) विश्लेषण

सदिश की धारणा—सदिशों को जोड़ना और घटाना—सदिश और अदिश (स्केलर) का गुणा-घो सदिशों का गुणनफल—दो

सदिशों का सदिश गुणनफल-बहुल (मल्टीपिल) गुणनफल—समय की दृष्टि से (विध रिस्पेक्ट आफ टाइम) सदिश का अवकलन-प्रवणता (ग्रेडिएन्ट)—डाइवर्जेंस और गाउस का प्रमेय-सदिश क्षेत्र (फील्ड) का कर्ल और स्टाक का प्रमेय-संकारक का उत्तरोत्तर अनुप्रयोग—नवकोणीय (आथोगोनल) वक्ररेखी निर्देशांक-हाइड्रोडाइनेमिक्स में अनुप्रयोग—ठोस पदार्थों में ऊष्मा प्रवाह के समीकरण—गुरुत्वीय विभव-मैक्सवेल के समीकरण-तरंग समीकरण—त्वाचिक प्रभाव या विसरण। समीकरण-टैन्सर (गुणात्मक परिचय) निर्देशांक रूपांतरण। आदेश, प्रतिचर (कन्ट्रावेरिएन्ट) सदिश, सहपरिवर्तन (कावेरिएन्ट) सदिश-जोड़। टैन्सरों का गुणनफल और संकुचन (कान्ट्रैक्शन)—सदिश जोड़। टैन्सरों का गुणनफल और संकुचन (कान्ट्रैक्शन)—सहचारित (असोसियेटेड) टैन्सर-निश्चर (इन्वेरिएन्ट) का अवकलन—टैन्सरों का अवकलन-क्रिस्टोफेल के प्रतीक उच्चतर कोटि के टैन्सरों के नैज (इन्टिन्जिक) और सहपरिणत अवकलन (डेरीवेटिवज)—कण की गति की (डाइनेमिक्स) में टैन्सर विश्लेषण का अनुप्रयोग।

समिश्र (काम्प्लेक्स) चर चरिएबल के सिद्धान्त के मूलतत्त्व

समिश्र चर के सामान्य कार्य-अवकलन (डेरीवेटिव) और काची और रिमन के अवकल समीकरण—समिश्र फंक्शनों के रेखा समाकल-काची का समाकल प्रमेय—काची का समाकल सूत्र-टेलर की श्रेणियाँ—लारेन्ट की श्रेणियाँ। अवशेष (रेसिड्यूज) काची का अवशेष प्रमेय। विश्लेषी फंक्शन के विचित्र (सिंगुलर) बिन्दुअनन्त के बिन्दु-अवशेषों का मूल्यांकन लियोबिल का प्रमेय—निश्चित समाकलों का मूल्यांकन-जोर्डन का लाम्मा-बहुल समाकल—(वैल्यूज फंक्शन)।

संक्रियात्मक (आपरेशनल) और रूपात्मक विधियाँ

फूरिये-मेलिन का प्रमेय-मूल नियम-सरल (डायरेक्ट) रूपांतरों का परिकलन-व्युत्क्रम रूपांतरों का परिकलन-परिवर्तित समाकल, आवेगी (इम्पल्सिव) फंक्शन। आंशिक अवकल समीकरणों के हल के लिए संक्रियात्मक कैलकुलस का अनुप्रयोग-समाकलों का मूल्यांकन, एक धाती समाकल समीकरण के हल के लिए लाप्लास रूपांतरों का अनुप्रयोग-चर गुणकों वाले सामान्य अवकल समीकरणों का हल, लाप्लास रूपांतरों की मदद से फूरिये श्रेणी का संकलन (समेशन)।

13. रेडार और सूक्ष्म (माइक्रो) तरंग इंजीनियरी जिसमें यानसंचालन (नेवीगेशन) में उपयोगी रेडियो सहायकयन्त्र (एड्स) सम्मिलित हैं।

सिद्धान्त, विभेदन (रिजोल्यूशन), यथार्थता और परास (क्वरेज), रेडार की परास रेंज के समीकरण, रेडार के लिए उप-युक्त आवृत्तियाँ और विभिन्न प्रकार के रेडार उपस्कर (इक्विपमेंट)।

स्पंद (पल्स) परिपथ और जाल, स्ट्रोब और गेटिंग परिपथ प्रिजेंटेशन और सवन्धित सरकिटरी के विविध प्रकार। माड्युलक और उनके सितान्त।

रेडार अभिग्राही परिपथ

विभिन्न प्रकार के रेडार ऐन्टेना और प्रदाय (फीड) तन्त्र परावर्तक और उनकी डिजाइन। सूक्ष्म तरंग प्लम्बिंग, तरंग पथ निर्धारित (बैवगाइड) संचारण के तरीके (मोड), प्रतिबाधा मुमेलन मैचिंग), चौक मंथियाँ, दिशा यन्त्रक, टी० आर० (T.R.) युक्तियाँ।

वी० एच० एफ० (V. H. F.) ट्रायोड दोलित्र, क्ला-इस्ट्रान, मेग्नेट्रान प्रणामी तरंग ट्यूब, दक्षता आरेख, वायुवाहित एअर बोन) और भूमि आधारी (ग्राउंड बैस्ड) रेडार तन्त्रों के सिद्धान्त और अभिलक्षणिक। दिशा निर्धारण (डायरेक्शन फाइंडिंग) के सिद्धान्त।

यान संचालन तन्त्रों जैसे लोरेन, इक्का, डापलर के सिद्धान्त।

इलेक्ट्रानिक तुंगतामापी (आल्टीमीटर) के सिद्धान्त।

14. प्रसारण—(वाइकस्मिग) और टेलीविजन प्रणालियाँ (सिस्टम)

लम्बी, मध्यम और लघु तरंगों तथा वी० एच० एफ० (V. H. F.) पर प्रसारण, परास (क्वरेज), क्षेत्र तीव्रता, रव और विषम (इन्टरफरेन्स) भूमि मार्गी तरंग द्वारा संचरण, आकाश मार्गी तरंग द्वारा संचरण, फेडिंग की घटनाएँ।

स्टूडियो और सभा भवन, रव के स्तर, अनुरणन (रिवरब-रेशन) ध्वनि स्तर और ध्वनि के वितरण, संवातन (वेन्टीलेशन) और प्रदीप्ति (इल्युमिनेशन) के दृष्टि से डिजाइन।

स्टूडियो अर नियन्त्रण कक्ष उपस्कर, माइक्रोफोन-उत्पादन (आऊट पुट), प्रतिबाधा, ध्वनि स्तर, दिशात्मकता, रव और तद्रूपता की दृष्टि से डिजाइन पर विचार। माइक्रोफोन का चयन। माइक्रोफोन से प्रेषित (ट्रांसमिटर) तक की ध्वनिक कड़ी (लिंक)—विशेष लक्षण और डिजाइन पर विचार। अभिलेखन (रिकार्डिंग) और प्रतिश्रवण (प्लेबैक)।

प्रसारण प्रेषित्र, प्रसारण की आवश्यकताएँ, पांडुलक, ऐम्प्ली-फायर और शक्ति प्रदाय एकक (सप्लाय सिस्टम)।

सुपरहैटेराडाइन, अभिग्रहण परिपथों की डिजाइन। प्रसारण अभिग्राहियों (रिसीवरों) में ट्रांजिस्टर।

प्रसारण में आवृत्ति मांडलन।

कैमरों में टेलिविजन परिपथ, पिक्चर मानक प्ररूपी प्रेषिक और अभिग्राहित, प्रकाण और स्टूडियो सम्बन्धी उपस्कर।

परिशिष्ट II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा सम्बन्धी विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं, ताकि वे यह जान लें कि वे अपेक्षित शारीरिक योग्यता स्तर पर कहां तक पूरे उतरते हैं। इन विनियमों का एक उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षाओं का मार्ग दर्शन करता है तथा जो उम्मीदवार विनियमों में निर्दिष्ट न्यूनतम अपेक्षाएँ पूरी नहीं करते, उन्हें स्वास्थ्य परीक्षक द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। अलबता किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार अयोग्य घोषित करते समय डाक्टरी बोर्ड को विशेष

रूप से लिख कर दर्ज किए गए कारणों के आधार पर भारत सरकार को इस बात की सिफारिश करने का अधिकार होगा कि उसे सरकार की कोई हानि किए बिना सेवा में ले लिया जाए।

2. अलबत्ता यह बात स्पष्ट रूप से समझ ली जाए कि डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार भारत सरकार ने अपने पास सुरक्षित रखा है।)

1. नियुक्ति के लिए योग्य घोषित किए जाने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार शारीरिक और मानसिक दोनों दृष्टियों से पूर्ण स्वस्थ हो और वह ऐसी किसी भी शारीरिक विकृति से मुक्त हो, जिससे उसे अपने पद के कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहण करने में बाधा पड़ सकती हो।

(2) (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के सहसंबन्ध के मामले में यह डाक्टरों बोर्ड के निर्णय पर छोड़ दिया गया है कि वह उम्मीदवारों की शारीरिक जांच के सम्बन्ध में मार्गदर्शन के लिए जो भी सहसम्बन्ध अंक सर्वाधिक उपयुक्त समझें उसका उपयोग करें। यदि कद, भार और छाती के घेरे के सम्बन्ध में कोई विषमता हो तो उस स्थिति में किसी उम्मीदवार को बोर्ड द्वारा योग्य अथवा अयोग्य घोषित किए जाने से पूर्व जांच और छाती के एक्सरे के लिए उसे अस्पताल में भेजा जाना चाहिए।

(ख) तथापि कतिपय सेवाओं के लिए निर्धारित न्यूनतम कद और छाती कर घेरा नीचे दिए अनुसार है, जो न होने पर उम्मीदवार को सेवा में नहीं लिया जा सकता —

समुद्रपार संचार सेवा	कद छाती के घेरे का विस्तार
इंजीनियरी शाखा में	(पूरी तरह फूली हुई)
प्रथम श्रेणी और द्वितीय	152 सें० मी० 84 सें० मी०
श्रेणी के पद	5 सें० मी०

(पुरुषों के लिए)

150 सें० मी० 79 सें० मी०
5 सें० मी०

(महिलाओं के लिए)

गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैंड के आदिवासी आदि जातियों के उम्मीदवारों के मामले में, जिनका औसत कद स्पष्टतः कम होता है, न्यूनतम निर्धारित कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद नीचे दिए अनुसार नापा जाएगा—

यह अपने जूते निकाल देगा और मापदंड के आगे खड़ा होगा, उसके पैर सटे हुए होंगे और वजन एड्रियों पर होगा न कि पंजों पर अथवा पैर के अन्य भागों पर, वह बिना तने हुए सीधा खड़ा होगा तथा उसकी एड्रियां पिंडलियां, कूल्हे और कन्धे मापदंड से सटे

हुए होंगे तथा ठोड़ी कुछ इस प्रकार धंसी होगी, जिससे कि सिर पर ऊपरी सिरा समस्तर शलाका के समान स्तर पर हो। कद सेंटीमीटरों में दर्ज किया जाएगा तथा एक सें० मी० का अंश आधे सें० मी० के बराबर माना जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती का माप नीचे निर्दिष्ट रीति से लिया जाएगा —

उसे सीधा खड़ा किया जाएगा, उसके पैर सटे हुए होंगे तथा उसकी बांहें सिर के ऊपर उठी हुई होंगी। फीते को छाती के चारों ओर इस प्रकार रखा जाएगा कि उसका ऊपरी सिरा पीछे की ओर कन्धे की हड्डी के निचले कोणों से छू रहा हो तथा जिस समय फीते को छाती के चारों ओर ले जाया जाए, वह उसके समतल पर हो। तत्पश्चात् बांहें नीचे कर ली जाएंगी जिससे कि वे बगल में ढीली झूलती रहें। साथ ही इस बात की सावधानी बरती जाएगी कि कन्धे ऊपर या नीचे न उठने पाए, जिससे फीता अपने स्थान से हट जाए। इसके बाद उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिकतम विस्तार को सावधानी से लेखबद्ध कर लिया जाएगा और न्यूनतम तथा अधिकतम विस्तार सेंटीमीटरों में यथा 84, 89, 86, 93.5 आदि, दर्ज किया जाएगा। नाप दर्ज करते समय आधे सें० मी० से कम अंश लेखबद्ध न किए जाएं।

ध्यान दें — अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पूर्व उम्मीदवार के कद और छाती का माप दो बार लिया जाना चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा तथा उसका वजन किलोग्रामों में दर्ज किया जाएगा, आधे किलोग्राम के अंश दर्ज नहीं किए जाने चाहिए।

6 (क) उम्मीदवार की नजर की जांच नीचे निर्दिष्ट नियमों के अनुसार की जाएगी और प्रत्येक जांच परिणाम को दर्ज किया जाएगा।

(ख) बिना चश्मे के आंख की न्यूनतम नजर की कोई सीमा नहीं होगी, लेकिन प्रत्येक मामले में डाक्टरों बोर्ड अथवा अन्य चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा चश्मे के बिना उम्मीदवार की आंख की नजर अनिवार्य रूप से दर्ज की जाएगी, क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में आधारभूत जानकारी प्राप्त होगी।

(ग) चश्मे के साथ अथवा बिना चश्मे के दूर और पास की नजर के लिए निम्नलिखित मान निर्धारित किए गए हैं :—

दूर की नजर		पास की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख (चश्मे के साथ)	अच्छी आंख	खराब आंख (चश्मे के साथ)
6/6	6/12	जे० I अथवा	जे II
6/9	6/9		

(घ) निकट दृष्टि वाले प्रत्येक मामले में बुध्न परीक्षा की जानी चाहिए, तथा परिणाम लेखबद्ध किए जाने चाहिए। कोई ऐसा नेत्रविकार होने की स्थिति में, जिसके उत्तरोत्तर बढ़ने की सम्भावना हो और जिससे उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ सकता हो, उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए।

निकट दृष्टि की कुल मात्रा (सिलेण्डर सहित)—4.00 डी० से अधिक नहीं होनी चाहिए। दूर दृष्टि की कुल मात्रा (सिलेण्डर सहित) + 4.00 डी० से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(ख) दृष्टि-क्षेत्र—समस्त सेवाओं के सम्बन्ध में दृष्टि क्षेत्र की जांच से असंतोषजनक अथवा संदिग्ध परिणाम प्राप्त हो तो दृष्टि क्षेत्र का निर्धारण परिमापी पर किया जाएगा।

(च) रतोंधी—मोटे तौर पर रतोंधी दो प्रकार की होती है।

(1) विटामिन की कमी के परिणामस्वरूप तथा (2) रेडिना के कायिक रोग के परिणामस्वरूप जिसका कि सामान्य कारण रेडिनाइटिस पिग्मेंटोसा होता है। पहले प्रकार में बुध्न सामान्य होता है यह सामान्यतः कम आयु वर्ग में तथा ऐसे व्यक्तियों में देखा जाता है, जिनका पोषण ठीक रीत से नहीं हुआ। इसमें सुधार बड़ी मात्रा में विटामिन ए लेने से होता है। दूसरे प्रकार में अक्सर बुध्न की शिकायत भी रहती है और केवल बुध्न की परीक्षा करने से ही अधिकांश मामलों में रतोंधी का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी ब्यस्क होता है और जरूरी नहीं है कि वह कुपोषण से पीड़ित हो। सरकार में ऊंचे पदों पर नियुक्ति चाहने वाले व्यक्ति इसी श्रेणी में आते हैं। दोनों (1) और (2) के लिए तमोनुकूलन परीक्षण से रतोंधी का पता चल जाएगा। जहां तक (2) का सम्बन्ध है, विशेष रूप से जब बुध्न से आक्रान्त नहीं होता इलेक्ट्रोरेटीनोग्राफी करने की आवश्यकता होती है। इन दोनों परीक्षणों में (तमोनुकूलन परीक्षण और रेडिनोग्राफी में) काफी समय खर्च होता है और इनके लिए विशेष व्यवस्था और उपस्कर की आवश्यकता होती है। अतः डाक्टर परीक्षण में नेमी परीक्षण के तौर पर ये परीक्षण करने संभव नहीं होते। इन तकनीकी कठिनाइयों के कारण यह सूचित करना मन्त्रालय/विभाग का काम है कि आया रतोंधी के लिए ये परीक्षण करने की आवश्यकता है या नहीं। यह बात कार्य की अपेक्षाओं तथा भावी सरकारी कर्मचारियों द्वारा सम्पन्न किए जाने वाले कर्तव्यों की प्रकृति पर निर्भर करेगी।

(छ) रंग दृष्टि—(i) सभी पदों के सम्बन्ध में रंग दृष्टि की जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी।

(ii) रंग-बोध का वर्गीकरण उच्च और निम्न वर्गों में किया जाएगा, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि लैटर्न के द्वारक का आकार नीचे सारणी में निर्दिष्ट आकारों में से कौन सा है :—

वर्ग	रंग भेद का उच्च वर्ग	रंगभेद का निम्नवर्ग
लैप और उम्मीदवारों के बीच दूरी	16"	16"
(2) द्वारक का आकार	1.3 मि० मी०	13 मि० मी०
(3) उद्भासन का समय	5 सें०	5 सें०

जिन सेवाओं का सम्बन्ध सार्वजनिक सुरक्षा से है उनके लिए, रंग दृष्टि का उच्च वर्ग होना परमावश्यक है, लेकिन अन्य सेवाओं के लिए रंग दृष्टि का निम्नवर्ग पर्याप्त समझा जाए।

(iii) संतोषजनक रंग दृष्टि तब होती है जब लाल संकेत हरे संकेत और अन्य रंगों को सरलता से तथा तत्काल पहचाना जा सके। रंग दृष्टि के परीक्षण के लिए इशियारा की प्लेटों जिन्हें अच्छे प्रकाश में दिया जाएगा और एडरिज ग्रीन की लालटैन जैसी उपयुक्त लालटैन पर पर्याप्त रूप से निर्भर किया जा सकता है। यद्यपि साधारणतः सड़क, रेल अथवा वायु यातायात से सम्बन्ध रखने वाली सेवाओं के सम्बन्ध में दोनों में से कोई भी परीक्षण पर्याप्त माना जा सकता है यह अत्यावश्यक है कि लैटर्न द्वारा परीक्षण किया जाए। संदिग्ध मामलों में जहां कोई उम्मीदवार दोनों में से कोई एक परीक्षण किए जाने पर परीक्षण में पूरा नहीं उतरता हो, वहां दोनों परीक्षण किए जाएं।

(ज) दृष्टि तीक्ष्णता से भिन्न क्षेत्र दशाएं :—

(i) कोई भी ऐसा कायिक रोग अथवा वर्धमान अपवर्तन वृद्धि, जिससे दृष्टि की तीक्ष्णता कम होने की सम्भावना हो अनर्हता मानी जाए।

(ii) भेंगापन—क्योंकि द्विनेत्री दृष्टि होना अनिवार्य भेंगापन है, अतः चाहे प्रत्येक आंख की दृष्टि-तीक्ष्णता निर्धारित मान के बराबर होने पर अनर्हता माना जाए।

(iii) एक आंख—डाक्टरी बोर्ड श्रेणी I और श्रेणी II पदों पर नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश कर सकता है, यदि उसे इस बात का संतोष हो कि वह जिस पद के लिए उम्मीदवार है उसके सारे कार्य निष्पन्न कर सकता है तथा अच्छी आंख की दृष्टि तीक्ष्णता दूर की नजर के लिए 6/6 हो पास की नजर के लिए 0.6 हो और अपवर्तन वृद्धि + 4.00 डी० अथवा —4.00 डी० से अधिक न हो अगर अच्छी आंख के बुध्न में किसी प्रकार की कोई असामान्यता दृष्टिगोचर न हो। दृष्टि-मान में यह ढील केवल एक आंख वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध में लागू होती है और यह ढील उनकी विकलांगता को ध्यान में रखते हुए दी गई है। यह ढील उन व्यक्तियों के लिए नहीं है, जिनकी दृष्टि द्विनेत्री है।

(iv) संस्पर्श लैन्स—उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा के दौरान संस्पर्श लैन्सों का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह आवश्यक है कि जब नेत्र परीक्षण किया जाए, दूर की नजर के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कैंडल हो।

7. रक्त दाब—रक्त दाब के सम्बन्ध में बोर्ड अपने विवेक से काम लेगा। सामान्य अधिकतम प्रकुंचन दाब निकालने की स्थूल रीति इस प्रकार है :—

(i) 15-25 वर्ष की आयु वाले युवा व्यक्तियों के लिए औसतन दाब आयु + 100 है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु के व्यक्तियों के लिए आयु के आधे के साथ 110 जमा करने का सामान्य नियम काफी संतोषजनक जान पड़ता है।

ध्यान दें—सामान्य नियम यह है कि 140 मि० मी० से अधिक प्रकुंचन दाब तथा 90 मि० मी० से ऊपर अनुशिथिलन दाब को सन्देहजनक समझा जाए तथा उम्मीदवार के योग्य अथवा अन्यथा होने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पूर्व बोर्ड द्वारा उसे अस्पताल में रखा जाए। अस्पताल में रखे जाने की रिपोर्ट में यह निर्देश किया जाए कि रक्त दाब में वृद्धि क्षणास्थायी है और उत्तेजना आदि का परिणाम है अथवा यह किसी कायिक रोग के कारण है। ऐसे समस्त मामलों में हृदय का एकसरे और विद्युत हृदय लेखन के साथ साथ मूत्र शर्करा उत्सर्जन परीक्षण भी नेमी रूप में किया जाए। बहरहाल उम्मीदवार के स्वस्थ अन्यथा होने के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय केवल डाक्टरों बोर्ड पर निर्भर करता है।

रक्तदाब मालूम करने का तरीका

नियमतः इस कार्य के लिए पारद दाबांतरमापी किस्म का उपकरण इस्तेमाल करना चाहिए। माप किसी भी हालत में कसरत या उत्तेजना से 15 मिनट के अन्दर नहीं लिया जाना चाहिए। वर्तते कि रोगी और विशेष रूप से उसकी बांह आराम में हो। वह लेट या बैठ सकता है। बांह जिस ओर रोगी हो उस ओर कम या अधिक पड़ी हुई स्थिति में होनी चाहिए और किसी न किसी चीज पर सुखपूर्वक टिकी हुई हो। बांह पर कन्धे तक कोई वस्त्र नहीं होना चाहिए। कफ को पूरी तरह हवा निकाल कर इस प्रकार बांधा जाए कि रबड़ का बीच का सिरा बांह के भीतरी हिस्से पर आए तथा इसका निचला सिरा कुहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर हो। बाद में कपड़े की पट्टी के जो लपेट हों उन्हें बैग पर एक सा फैला दिया जाए। जिससे कि हवा भरते समय वह फूल न जाए। प्रगण्ड धमनी का स्थान कोहनी के मोड़ पर होने वाली धड़कन से मालूम किया जाता है। तत्पश्चात् उस पर स्टेथोस्कोप नीचे की ओर धीरे से और बीचों बीच रखा जाता है, लेकिन वह कफ का संस्पर्श नहीं करता। कफ में लगभग 200 मि० मी० पारद दाब तक हवा भर दी जाती है तथा तब धीरे-धीरे हवा निकाल ली जाती है। जिस समय एक के बाद दूसरी धीमी विसृन्द ध्वनियां सुनाई देती हैं उस समय स्तम्भ की लम्बाई जिस तल पर होती है वह तल प्रकुंचन दाब का द्योतक है। जब और हवा निकलने दी जाती है विसृन्द ध्वनियों की तीव्रता बढ़ जाती है। जिस तल पर साफ सुनाई दे रही ध्वनियां धीमी, दबी हुई और क्षीण होती हुई ध्वनियों में बदल जाती हैं वह अनुशिथिलन दाब का द्योतक है। माप बहुत थोड़े समय के अन्दर लिया जाना चाहिए। क्योंकि देर तक कफ से जकड़ा रहने के कारण रोगी परेशान हो जाता है और इससे पाठ्यांकों के गलत हो जाने की सम्भावना हो जाती है। यदि आवश्यक जान पड़े तो पुनः जांच की जा सकती है। लेकिन यह कफ को पूरी हवा निकाल देने के कुछ मिनट बाद की जानी चाहिए। (कई बार कफ की हवा निकालते समय एक निश्चित तल पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, जैसे-जैसे दाब गिरता जाता है, वे गायब होने लगती हैं और फिर नीचे तल पर पुनः सुनाई पड़ती हैं। इस निस्तब्ध अंतराल के कारण पाठ्यांकन में त्रुटि हो सकती है)।

8. मूत्र (परीक्षक की उपस्थिति में किया गया) की जांच की जाए और जो परिणाम प्राप्त हो, उन्हें लेख बंधकर लिया जाए।

जहां सामान्य रासायनिक परीक्षण किए जाने पर उम्मीदवार के मूत्र में शर्करा उपस्थित पाई जाए, वहां डाक्टरों बोर्ड मूत्र परीक्षा के अन्य भी पक्षों को ध्यान में रखते हुए जांच जारी रखेगा और साथ ही विशेष रूप से मधुमेह होने के प्रत्येक संकेत अथवा लक्षण को नोट करेगा। यदि सिवाय ग्लूकोजमेह के बोर्ड यह पाए कि उम्मीदवार डाक्टरों तौर पर स्वस्थता के अपेक्षित मानदण्ड पर पूरा उतरता है तो वह उम्मीदवार को 'ग्लूकोजमेह' के मधुमेह से भिन्न होने पर स्वस्थ घोषित कर सकता है। तत्पश्चात् बोर्ड उम्मीदवार को निर्दिष्ट चिकित्सा विशेषज्ञ के पास, जिसे अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं उपलब्ध हों, भेजेगा। चिकित्सा विशेषज्ञ मानक रक्त शर्करा सहायता परीक्षण सहित जो भी नैदानिक और प्रयोगशाला परीक्षण करना उचित समझेगा करेगा तथा अपनी राय डाक्टरों बोर्ड को प्रस्तुत करेगा, डाक्टरों बोर्ड उम्मीदवार के स्वस्थ होने या न होने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय प्राप्त हुई राय के आधार पर देगा। उम्मीदवार को दूसरी बार डाक्टरों बोर्ड के आगे पेश नहीं होना पड़ेगा। अलबत्ता औषधियों के प्रभाव के निवारण के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में कई दिन कठोर निगरानी में रखना आवश्यक हो सकता है।

9. परीक्षणों के परिणामस्वरूप यदि किसी महिला उम्मीदवार को 12 सप्ताह या अधिक समय से गर्भवती पाया जाए तो उसे जब तक उसका प्रसव काल समाप्त नहीं हो जाता अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जा सकता है। प्रसूति की तारीख के छः सप्ताह बाद रजिस्टर्ड चिकित्सक से अपने स्वस्थ होने का डाक्टरों प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर स्वस्थता प्रमाण पत्र के लिए उसकी पुनः जांच की जाएगी।

10. निम्नलिखित बातें और देखी जाएं :—

(क) उम्मीदवार के प्रत्येक कान की श्रवण शक्ति अच्छी है और कान का कोई रोग होने के कोई लक्षण नहीं है। यदि श्रवण शक्ति दोषपूर्ण हो तो उस हालत में उसके कानों की जांच कर्ण चिकित्सक से कराई जाए। अगर श्रवण शक्ति का दोष गंभीर किताबे छोटा हो जाता हो अथवा श्रवण सहायक के उपयोग में किया जा सकता है तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता, बशर्ते कि वह कान के किसी ऐसे रोग से पीड़ित न हो, जो बढ़ रहा हो।

(ख) उसके बोलने में कोई अवरोध नहीं है।

(ग) उस पुरुष-महिला के दांत स्वस्थ हैं और चबाने का काम अच्छी तरह से करने के लिए आवश्यकतानुसार नकली दांत लगे हैं।

(घ) ठीक प्रकार से भरे गए दांतों को स्वस्थ माना जाएगा।

(च) कि उसकी छाती अच्छी तरह से निर्मित है और उसका विस्तार पर्याप्त है, और उसका हृदय और फेफड़े स्वस्थ हैं।

(ङ) कि उसे कोई उदरीय रोग नहीं है।

(च) कि उसे हनिया (रपचर्ड) नहीं है।

(छ) कि उसे हाइड्रोसील, उग्र वृषणशिरापस्फीति, अपस्फीत, शिरा अथवा बवासीर तो नहीं है।

(ज) कि उसके अंग, हाथ और पाद ठीक प्रकार से निर्मित और विकसित है और उसके सभी जोड़ों में निर्बाध और दोषरहित गति है।

(झ) कि उसे कोई चिरकालिक त्वचा रोग नहीं है।

(ञ) कि उसके शरीर में कोई जन्म-जात विकृति अथवा दोष नहीं है।

(ट) कि उसमें किसी ऐसे उग्र अथवा चिरकारी रोग के लक्षण नहीं हैं जिनसे ऐसा लगे कि उसका गठन खराब हो गया है।

(ठ) कि उसके शरीर पर सफल चेचक के टीके के चिन्ह हैं।

(ड) कि वह संचारी रोगों से मुक्त है।

11. हृदय और फेफड़ों की किसी ऐसी अपसामान्यता का, जिसका साधारण शारीरिक जांच से पता नहीं लग सकता है, पता लगाने के लिए छाती का एकसरे चित्र सभी मामलों में नेमी रूप से लिया जाना चाहिए।

यदि किसी दोष का पता चले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य दर्ज किया जाना चाहिए तथा स्वास्थ्य परीक्षक को इस सम्बन्ध में अपना मत देना चाहिए कि क्या यह दोष उम्मीदवार से अपेक्षित ड्यूटियों के कुशल निष्पादन में बाधा का कारण बन सकता है अथवा नहीं।

टिप्पणी :—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त पदों के सम्बन्ध में उनके शारीरिक स्वास्थ्य को निर्धारित करने के लिए नियुक्त किए गए विशेष अथवा स्थायी चिकित्सा बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध उन्हें अपील करने का अधिकार नहीं होगा। फिर भी यदि सरकार के सामने प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के आधार पर सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि पहले बोर्ड के निर्णय में त्रुटि की सम्भावना हो सकती है तो ऐसी स्थिति में सरकार दूसरे बोर्ड के लिए अपील स्वीकार कर सकती है। इस प्रकार के साक्ष्य उस पत्र की तारीख के एक मास के अन्दर प्रस्तुत किए जाने चाहिए जिसमें पहले चिकित्सा बोर्ड के निर्णय की सूचना उम्मीदवार को दी गई है अन्यथा दूसरे बोर्ड के लिए कोई भी अपील स्वीकार नहीं की जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार पहले बोर्ड के निर्णय में त्रुटि की सम्भावना के साक्ष्य में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है तो उस प्रमाण पत्र पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक उसमें चिकित्सक की इस आशय की टिप्पणी शामिल नहीं होगी कि प्रमाण-पत्र इस तथ्य की पूर्ण जानकारी से दिया गया है कि उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा के लिए शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण अस्वीकृत किया गया है।

चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट

स्वास्थ्य परीक्षक के मार्ग निर्देशन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जा रही है :—

1. शारीरिक स्वस्थता के लिए जो मानक अपनाए जाएं उनमें सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा-काल पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।

किसी भी व्यक्ति को सरकारी सेवा में प्रवेश के लिए तब तक योग्य नहीं माना जाएगा जब तक वह यथा स्थिति सरकार अथवा नियोक्ता प्राधिकारी को इस सम्बन्ध में सन्तुष्ट नहीं कर लेता है कि उसे कोई ऐसा रोग, रचनात्मक विकृति अथवा शारीरिक अशक्तता नहीं जिसके कारण वह इस सेवा के लिए अयोग्य है अथवा अयोग्य होने की सम्भावना है।

इस बात को अच्छी तरह जान लेना चाहिए कि शारीरिक स्वास्थ्य का अर्थ वर्तमान और भावी स्वस्थता दोनों से है और डाक्टरी परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य यह भी है कि ऐसे उम्मीदवार चुने जाएं जो निरन्तर प्रभावी सेवा के योग्य हों और स्थायी नियुक्ति के मामलों में उन्हें जल्दी पेंशन देने तथा असमय मृत्यु के कारण अदायगियों से बचा जा सके। इस के साथ साथ इस बात को भी ध्यान में रखा जाए कि प्रश्न निरन्तर प्रभावी सेवा की सम्भावना का है और किसी उम्मीदवार को किसी ऐसे दोष के आधार पर अस्वीकृत न किया जाए जो केवल बहुत ही कम मामलों में निरन्तर प्रभावी सेवा में बाधा का कारण पाया गया है।

जब कभी किसी महिला उम्मीदवार की परीक्षा की जानी होगी जब किसी महिला डाक्टर को चिकित्सा बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखी जानी चाहिए।

जब किसी उम्मीदवार को सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य घोषित किया जाए जब तक चिकित्सा बोर्ड द्वारा बताए गए दोष का विस्तृत व्यौरा दिए बिना अस्वीकृति के कारण मोटे तौर पर उम्मीदवार को सूचित किया जा सकता है।

यदि चिकित्सा बोर्ड के विचार में किसी मामले में सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अयोग्यता का कारण ऐसी अशक्तता है जो उपचार (चिकित्सा अथवा मूल्य चिकित्सा) से ठीक हो सकती है तो ऐसी स्थिति में चिकित्सा बोर्ड को इस आशय की टिप्पणी दर्ज करनी चाहिए। नियोक्ता प्राधिकारी द्वारा बोर्ड का मत उम्मीदवार को सूचित किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है और जब उम्मीदवार रोग मुक्त हो जाए तब सम्बन्धित प्राधिकारी उम्मीदवार को दूसरे चिकित्सा बोर्ड के पास भेज सकता है।

जिन उम्मीदवारों को 'अस्थायी रूप से अयोग्य' घोषित किया जाता है उनके मामले में दुबारा परीक्षा की अवधि सामान्यता छः मास से अधिक नहीं होनी चाहिए। निर्दिष्ट अवधि के बाद इन उम्मीदवारों की दुबारा परीक्षा किए जाने पर उन्हें और अधिक अवधि के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित नहीं किया जाना चाहिए अपितु नियुक्ति के लिए उनकी स्वस्थता अथवा अस्वस्था के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवारों का कथन और घोषणा

उम्मीदवार को अपनी स्वास्थ्य परीक्षा से पहले निम्नलिखित कथन देना चाहिए और उसी के साथ संलग्न घोषणा

पत्र पर हस्ताक्षर करने चाहिए। निम्नलिखित टिप्पणी में दी गई चेतावनी की ओर उसका ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट किया जाता है :

1. अपना पूरा नाम लिखें (स्पष्ट अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म का स्थान लिखें
3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैंड की आदिमजाति जैसी ऐसी किसी जाति के सदस्य हैं जिनका औसत कद निश्चित रूप से कम होता है? उत्तर "हां" या "नहीं" में होना चाहिए। यदि उत्तर "हां" में है तो जाति का नाम लिखें —
- (ख) क्या आपको कभी चेचक, विरामी अथवा अन्य किसी प्रकार का ज्वर, ग्रंथियों का विवर्धन अथवा पूयता, थूक में खून, दमा, हृदयरोग फेफड़ों का रोग, मूच्छा, रुमेटिज्म, ऐपेण्डिसाइटिस का रोग हुआ है? अथवा
- (ख) क्या कोई अन्य रोग अथवा दुर्घटना हुई है जिसके कारण आपको विस्तर पर पड़े रहने और चिकित्सा अथवा शल्य चिकित्सा करवाने की आवश्यकता पड़ी है?
4. पिछली बार चेचक का टीका कब लगा था?
5. क्या आप कभी अधिक कार्य अथवा किसी अन्य कारण से अधीरता के शिकार हुए हैं?
6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्योरा दें :

पिता यदि जीवित है तो उसकी आयु और स्वास्थ्य	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	जीवित भाईयों की संख्या, उनकी आयु और स्वास्थ्य
--	---	---

मृत भाईयों की संख्या और मृत्यु के समय उनकी आयु तथा मृत्यु का कारण	मां यदि जीवित है तो उनकी आयु और स्वास्थ्य	मृत्यु के समय मां की आयु और मृत्यु का कारण
---	---	--

जीवित बहनों की संख्या,
उनकी आयु और स्वास्थ्य

मृत बहनों की संख्या और
मृत्यु के समय उनकी आयु
तथा मृत्यु का कारण

7. क्या आपको पहले किसी चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा की गई है?
8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" तो कृपया बताएं कि किस सेवा (किन सेवाओं)/पद (किन पदों) के लिए आपकी स्वास्थ्य परीक्षा ली गई थी?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?
10. चिकित्सा बोर्ड द्वारा परीक्षा कब और कहां की गई थी?
11. चिकित्सा बोर्ड की परीक्षा का परिणाम, यदि आपको सूचित किया गया था अथवा आपको उसकी जानकारी है

मैं घोषणा करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, उपर्युक्त उत्तर सत्य और सही हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर,
मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर।

टिप्पणी : उपर्युक्त कथन के सही होने के लिए उम्मीदवार को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। किसी सूचना को जान-बूझ कर दवाने से उसकी नियुक्ति को रद्द किया जा सकता है और यदि वह नियुक्त किया जा चुका होगा तो निवर्तन भत्ते और उपदान के सभी दावे जन्त कर लिए जाएंगे।

(ख) की शारीरिक जांच के सम्बन्ध में चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास : अच्छा साधारण
खराब
पोषण कुश औसत
स्थूल कद (बिना
जूतों के) वजन
उत्तम वजन कब
वजन में हाल ही में हुआ कोई परिवर्तन
तापमान छाती का
घेरा
.....

- (1) (पूरे प्रश्वसन के बाद)
(पूरे निःश्वसन के बाद)

2. त्वचा : कोई स्पष्ट रोग

3. आंख : (1) कोई रोग

(2) रतौधी

(3) रंग दृष्टि में दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र

(5) दृष्टि तीक्ष्णता

(6) बुध्न परीक्षा

दृष्टि तीक्ष्णता बिना चश्मे के चश्मे के बाद चश्मे का नम्बर
गोल बेलन अक्ष

दूर दृष्टि
दाहिनी आंख
बाई आंख

निकट दृष्टि
दाहिनी आंख
बाई आंख

दूर दृष्टिता (स्पष्ट)
दाहिनी आंख
बाई आंख

4. कान : निरीक्षण श्रवण
..... दाहिना कान
बाया कान ।

5. ग्रन्थियां
थाइराइड

6. दांतों की हालत

7. श्वसन तन्त्र : क्या शारीरिक जांच से श्वसन अंगों में किसी अपसामान्यता का पता चलता है ?

यदि किसी अपसामान्यता का पता चलता है तो उसे पूरी तरह स्पष्ट करें

8. परिसंचरण तन्त्र :

(क) हृदय : कोई आंगिक विज्ञति दर
..... खड़े रहने की स्थिति में 25
बार उछलने के बाद उछलने के 2 मिनट
के बाद ।

(ख) रक्त दाब : प्रकुंचन
अनुश्रितिलन

9. उदर : घेरा दाब बेदना हर्निया ।

(क) स्पर्श गोचर

यकृत प्लीहा

..... यकृत

अबुर्द

(ख) बवासीर

नाल व्रण

10. तन्त्रिका तन्त्र : अधीरता अथवा मानसिक निर्बलता के लक्षण

11. चलन तन्त्र : कोई अपसामान्यता —

12. जनन मूत्र तन्त्र : हाइड्रोसील, वृषण शिरापस्फीति आदि के लक्षण :

मूत्र विश्लेषण

(क) भौतिक रूप

(ख) विशिष्ट गुह्य

(ग) ऐल्ब्यू मन

(घ) कोशिकाएं

(ङ) निर्मोक

(च) शर्करा

13. छाती की एक्सरे-परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में ऐसी कोई बात है जिसके कारण उसकी उस सेवा की, जिसका वह उम्मीदवार है, ड्यूटियों के कुशल निष्पादन के लिए अयोग्य होने की सम्भावना हो सकती है ?

15. उम्मीदवार की किन-किन सेवाओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षा हो चुकी है और किन के लिए वह अपनी ड्यूटियों के कुशल एवं निरन्तर पालन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है तथा किन के लिए अयोग्य पाया गया है ?

16. क्या उम्मीदवार युद्ध सेवा के योग्य है :

टिप्पणी : बोर्ड को अपने निष्कर्ष निम्नलिखित तीन श्रेणियों में से किसी एक के अन्तर्गत दर्ज करने चाहिए ।

(i) योग्य

(ii) के कारण अयोग्य ।

(iii) के कारण अस्थायी योग्य ।

अध्यक्ष

सदस्य

स्थान

तारीख

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के द्वारा भरे जाने वाले पदों के सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण :—

1. इंजीनियर (श्रेणी I) बेतार आयोजना और समन्वय स्कंध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय :

(क) वेतन मान—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।

(ख) इंजीनियर पद के धारी इस पद क्रम में पांच वर्ष तक सेवा करने पर सहायक बेतार, इंजीनियर बेतार आयोजना और समन्वय स्कंध/प्रभारी इंजीनियर अनुश्रवण संगठन वेतन मान—रु० 700-40-1100-50/2-1250 तथा 100 रु० विशेष वेतन (केवल सहायक बेतार सलाहकार के लिए) के पदक्रम के 50 प्रतिशत रिक्त स्थानों में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे। सहायक बेतार सलाहकार/प्रभारी इंजीनियर के पदक्रम में पदोन्नति श्रेणी के पदों के लिए बनाई गई विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर चुनाव के आधार पर होगी।

जिन सहायक बेतार सलाहकारों और प्रभारी इंजीनियरों ने अपने पदक्रम में 5 वर्ष तक काम कर लिया है वे उप-बेतार सलाहकार (वेतन मान 1100-50-1400) के रूप में पदोन्नत किए जाने के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप-बेतार सलाहकार के पदक्रम में 75 प्रतिशत तक रिक्त स्थान श्रेणी I पदों के लिए बनाई गई विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर चुनाव आधार पर भरे जाते हैं, उप-बेतार सलाहकार के पदक्रम 25 प्रतिशत रिक्त स्थान सीधी भरती से भरे जाते हैं।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को भारत में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

(घ) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये जाने वाले किसी व्यक्ति को, यदि आवश्यक समझा जाए तो, किसी भी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंधित किसी भी पद पर चार वर्ष से अत्यून अवधि तक, जिसमें प्रशिक्षण अवधि, यदि कोई हो, भी शामिल है, काम करना होगा। परन्तु ऐसे व्यक्ति को—

(क) अपनी नियुक्ति के 10 वर्ष पूरे हो जाने के बाद उपर्युक्त प्रकार का काम नहीं करना होगा।

(ख) साधारणतः चालीस वर्ष की उमर के बाद उपर्युक्त प्रकार का काम नहीं करना होगा।

2. उप-प्रभारी इंजीनियर (श्रेणी I) सहायक इंजीनियर श्रेणी II (राजपत्रित) और तकनीकी सहायक (श्रेणी II" अराजपत्रित) विदेश संचार सेवा, संचार मंत्रालय में,

(क) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उपप्रभारी इंजीनियर के रूप में नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों को कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक हुआ तो अवधि को बढ़ाया भी जा सकेगा।

(ख) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उपप्रभारी इंजीनियर को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप-प्रभारी इंजीनियर के पदों पर अस्थायी नियुक्तियों के मामले में बंधपत्र में, जिसे अधिकारी को भरना होता है, निदिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, किसी भी पक्ष से एक महीने के नोटिस दिए जाने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी। परन्तु विभाग के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह नोटिस के स्थान पर एक महीने का वेतन और भत्ता देकर सेवा समाप्त कर दें लेकिन अधिकारी को कोई ऐसा विकल्प नहीं दिया गया है।

(घ) वेतन मान

(1) तकनीकी सहायक—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575।

(2) सहायक इंजीनियर—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900।

(3) सहायक प्रभारी इंजीनियर—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की संभावना :

1. तकनीकी सहायक—सभी तकनीकी सहायक जिन्होंने इस पदक्रम में कम से कम 3 वर्ष तक काम कर लिया है, सहायक इंजीनियर वेतन मान रु० 350-35-500-30-590-द० रो० 30-800 द० रो०-380-35-900 के पदक्रम में विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 50 प्रतिशत पदों पर योग्यता के आधार पर चुने जाने पर पदोन्नति किए जाने के पात्र हैं।

(2) सहायक इंजीनियर—सभी सहायक इंजीनियर, जिन्होंने इस पदक्रम में कम से कम तीन वर्ष तक काम कर लिया है उप-प्रभारी इंजीनियर, वेतन मान—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० 35-950 के पदक्रम में विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 75 प्रतिशत पदों पर योग्यता के आधार पर चुने जाने पर पदोन्नत किए जाने के पात्र हैं।

(3) उप-प्रभारी इंजीनियर—उप-प्रभारी इंजीनियर के पदधारी को कम से कम तीन वर्ष तक उप-प्रभारी इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पदक्रम में काम कर रहा हो वे प्रभारी इंजीनियर वेतन मान रु० 700-40-1100-50/2-1250 विदेश संचार सेवा के पद पर परिवीक्षाधीन अवधि, जो दो वर्ष की होगी, सफलता पूर्वक समाप्त होने पर पदोन्नत किए जाने के पात्र हैं। इस पदक्रम में सीधे भरती किए गए अधिकारियों के मामले में तीन वर्ष की न्यूनतम सेवावधि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक समाप्त करने की तारीख से गिनी जाएगी। प्रभारी इंजीनियर के पद क्रम पर पदोन्नति इस प्रयोजन के लिए बनाई गई विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर चुनाव के आधार पर की जाएगी।

(च) तकनीकी सहायक, सहायक इंजीनियर या उप-प्रभारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को, यदि आवश्यकता हो किसी भी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा

से सम्बन्धित किसी पद पर तीन वर्ष से अन्यून अवधि के लिए, जिसमें प्रशिक्षण में लगी अवधि भी शामिल है, काम करना होगा, परन्तु ऐसे व्यक्ति को :—

(क) अपनी नियुक्ति के 10 वर्ष पूरे हो जाने के बाद उपर्युक्त प्रकार का कार्य नहीं करना होगा,

(ख) साधारणतः चालीस वर्ष की उमर पूरे हो जाने के बाद उपर्युक्त प्रकार का काम नहीं करना होगा।

टिप्पणी :—सेवा की अन्य शर्तें जैसे, छुट्टी, स्थानांतरण, दौरे पर, यात्रा भत्ता, कार्यारम्भ काल/कार्यारम्भ काल-वेतन, डाक्टरी सुविधाएं, यात्रा रियायत, पेंशन और उपदान, नियंत्रण और अनुशासन तथा आचरण, आदि वही होंगी जो उसी हैसियत के अन्य केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

3. सहायक स्टेशन इंजीनियर (श्रेणी 1) महानिदेशालय, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर की जाएगी।

(ख) (i) इस पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी को भारत में कहीं भी काम करना होगा तथा साथ ही उसको किसी भी समय सरकारी निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण होने पर उसको उस निगम के कर्मचारियों के लिए निर्दिष्ट शर्तों के अधीन काम करना होगा।

(ii) सहायक स्टेशन इंजीनियर के पद पर नियुक्त कोई भी व्यक्ति, यदि अपेक्षित हो तो, प्रशिक्षण की अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि तक किसी रक्षा सेवा या भारत की सुरक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करने के लिए बाध्य होगा।

परन्तु ऐसे व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख की 10 वर्ष की समाप्ति पर उक्त सेवा करनी अपेक्षित नहीं होगी।

(ख) चालीस वर्ष की आयु सीमा पर पहुंचने पर उक्त सेवा करनी अपेक्षित नहीं होगी।

(ग) सरकार निम्नलिखित घटनाओं पर किसी अधिकारी की नियुक्ति बिना कारण बताए समाप्त कर सकती है :—

(i) परीक्षा अवधि के दौरान या इसके समाप्त होने पर।

(ii) अनधीनता, अविनयता, कदाचर, या फिल-हाल लागू होने वाले सेवा सम्बन्धी नियमों के किसी उल्लंघन को भंग करने या पालन न करने पर,

(iii) यदि वह डाक्टरी तौर पर अनुपयुक्त पाया जाए और उसके अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए अपनी अस्वस्थता के कारण काफी समय तक इसी प्रकार अनुपयुक्त बने रहने की सम्भावना हो,

अस्थायी नियुक्ति के मामले में, किसी अधिकारी की सेवा किसी भी समय, बिना कारण बताए किसी भी पक्ष से एक महीने का नोटिस देकर समाप्त की जा सकती है।

(घ) वेतनमान रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० 35-950।

(ङ) उच्चतर पदक्रमों में पदोन्नति की संभावनाएं।

(i) स्टेशन इंजीनियर के पदक्रम में पदोन्नति, सभी सहायक इंजीनियर जिन्होंने इस पदक्रम में कम-से-कम पांच वर्ष की सेवा कर ली है, वे आकाशवाणी में स्टेशन इंजीनियर, वेतनमान—रु० 700-40-1100-50/2-1250 के पदक्रम में, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर चुने जाने के आधार पर पदोन्नत किए जाने के पात्र हैं;

(ii) वरिष्ठ इंजीनियर के पदक्रम में पदोन्नति सभी स्टेशन इंजीनियर, जिन्होंने इस संवर्ग में कम-से-कम सात वर्ष की सेवा कर ली है, वे वरिष्ठ इंजीनियर वेतनमान रु० 1300-60-1600 के पदक्रम में विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर चुने जाने के आधार पर पदोन्नत किए जाने के पात्र हैं।

टिप्पणी—सेवा की अन्य शर्तें जैसे छुट्टी, स्थानांतरण/दौरे पर, यात्रा भत्ता, कार्यारम्भ काल वेतन, डाक्टरी सुविधाएं यात्रा रियायत, पेंशन और उपदान, नियंत्रण और अनुशासन तथा आचरण, वही होंगी जो उसी हैसियत के अन्य केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

4. तकनीकी अधिकारी (श्रेणी 1) और संचार अधिकारी (श्रेणी 1) सिविल लिमानन विभाग, पर्यटन और मिशिल विमानन मंत्रालय में,

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा, इस अवधि में उनको समय-समय पर विहित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण लेना होगा। जिन व्यक्तियों को अनुकूल रिपोर्ट दी गई हों और जिन्होंने विहित की गई परीक्षा या परीक्षाएं पास की हो उनको अस्थायी संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। जब भी उनके स्थायीकरण के लिए पद उपलब्ध होंगे उन पर संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पदक्रम में स्थायी किए जाने के लिए विचार किया जाएगा।

- (ख) यदि सरकार के मत में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक तो या यह तीव्र हो कि उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।
- (ग) परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के बाद सरकार उसकी अपने पद पर स्थायी नियुक्ति कर सकती है या यदि सरकार के मत में उसके कार्य और आचरण असंतोषप्रद रहे हैं सरकार या तो उसे सेवा-मुक्त कर देगी या परिवीक्षा अवधि उतने समय के लिए बढ़ा देगी जितनी वह आवश्यक समझे।
- (घ) यदि इस नियम के उप-नियम (ख), (ग) के अन्तर्गत सरकार कोई कार्यवाई न करे तो परिवीक्षा के लिए विहित अवधि के बाद की अवधि को मास-अनु-मास आवधि माना जाएगा जो किसी भी पक्ष के एक मास के नोटिस द्वारा समाप्त किया जा सकेगा?
- (ङ) यदि सरकार द्वारा सेवा में नियुक्ति करने की शक्ति किसी अधिकारी को सौंपी गई हो तो वह अधिकारी इस नियम के अन्तर्गत सरकार की किसी भी शक्ति का उपयोग कर सकेगा।
- (च) इस नियम के अन्तर्गत भरती किए गए अधिकारी छुट्टी, वेतन-वृद्धि और पेंशन के लिए उन्हीं नियमों के अनुसार पात्र होंगे जो फिलहाल प्रचलित हैं, और केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होते हैं। वे केन्द्रीय भविष्य निधि में भी इस निधि के नियम विनियमों के अनुसार शामिल होने के पात्र हैं।
- (छ) ये अधिकारी भारत में कहीं भी, और आपत्तिक स्थिति में भारत के बाहर किसी भी क्षेत्र-सेवा में स्थानांतरित किए जा सकेंगे। उनको उड़ान वाले किसी जहाज पर कार्य सम्भालने के लिए भी कहा जा सकता है।
- (ज) इजीनियरी सेवा (इलेक्ट्रानिक्स) परीक्षा के द्वारा नियुक्त होने वाले अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता साधारणतः परीक्षा में उनके योग्यता के क्रम से निश्चित की जाएगी? लेकिन भारत सरकार का वैयक्तिक मामलों में अपने विवेक पर वरिष्ठता को निश्चित करने का अपना अधिकार सुरक्षित है।
- (झ) संचार अधिकारी तकनीकी अधिकारी से वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पदक्रम पदोन्नति उस अनुवर्ती पदक्रम में स्थान रिक्त होने पर निर्भर करती है और इस पदक्रम में पदोन्नति वरिष्ठता-व-योग्यता के आधार पर उन संचार अधिकारियों/तकनीकी अधिकारियों में से की जाएगी जिन्होंने इस पदक्रम में कम-से-कम तीन वर्ष सेवा कर ली हो?
- (ञ) सेवा की आवश्यकताओं के अनुसार सेवा की शर्तों में परिशोधन किया जा सकता है। बाद में सेवा की शर्तों में परिवर्तन किए जाने से यदि उम्मीदवारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े तो उनको किसी प्रकार का मुआवजा पाने का हक नहीं होगा।

(ट) विमानन विभाग में संचार अधिकारी, तकनीकी अधिकारी के वेतनमान नीचे दिए गए हैं :—

(i) संचार अधिकारी (श्रेणी I) रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।

(ii) तकनीकी अधिकारी (श्रेणी I) रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।

(ठ) संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को यदि आवश्यक समझा जाए तो किसी भी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर चार वर्ष से अन्यून अवधि तक जिसमें प्रशिक्षण की अवधि, यदि कोई हो, भी शामिल है काम करना होगा।

परन्तु ऐसे व्यक्ति को

- (क) अपनी नियुक्ति के 10 वर्ष पूरे हो जाने के बाद उपर्युक्त प्रकार का काम नहीं करना होगा।
- (ख) साधारणतः पालीस वर्ष की उम्र के बाद उपर्युक्त प्रकार का काम नहीं करना होगा।

5. उप आयुध पूर्ति अधिकारी पदक्रम II (श्रेणी I) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में,

(क) इस पद पर नियुक्त किए जाने के लिए चुने गए उम्मीदवारों को परिवीक्षाधीन के रूप में दो वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा। इस अवधि को समर्थ अधिकारी अपने विवेक के अनुसार बढ़ा सकता है। यदि परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने यह अवधि समर्थ अधिकारी के सन्तोष के अनुसार समाप्त न की तो उसको सेवा मुक्त कर दिया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि में उनको 9-12 महीने के तकनीकी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेना होगा और अधिक से अधिक तीन मौकों में विभागीय परीक्षा पास करनी होगी। यदि वे विभागीय परीक्षा पास न कर सकें तो सरकार के विवेक के अनुसार उनको सेवा मुक्त किया जा सकेगा। उन्हें प्रशिक्षण के लिए जाने के पहले, भारतीय नौसेना में प्रशिक्षण के बाद तीन वर्ष की अनिवार्य सेवा करने के सम्बन्ध में 1500 रु० (यह रकम समय-समय पर भिन्न-भिन्न हो सकती है) के एक बंधपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

(ख) समर्थ अधिकारी आवश्यक अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक मास और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन मास) का नोटिस देकर नियुक्ति को कभी भी समाप्त कर सकता है। लेकिन सरकार का यह अधिकार सुरक्षित है कि वह नोटिस की अवधि या उसके समाप्त न हुए भाग के लिए समान वेतन और भत्ते देकर नियुक्त व्यक्तियों को तत्काल या अनुबद्ध अवधि समाप्त होने से पहले सेवा मुक्त कर दे।

(ग) उनकी सेवा की शर्तें वही होंगी जो उन असैनिक सरकारी कर्मचारियों पर लागू होती हैं जिनको समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा अनुमानों से वेतन दिया जाता है। उन पर समय-समय पर संशोधित रणक्षेत्र सेवा दायित्व नियम, 1957 लागू होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानांतरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान और वर्गीकरण-श्रेणी I राजपत्रित वेतनमान रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।

(च) उच्चतर पद-क्रम में पदोन्नति की संभावना—

(I) उप आयुध पूर्ति अधिकारी पदक्रम-I—वे उप आयुध-पूर्ति अधिकारी (पदक्रम II) जिन्होंने 3 वर्ष की सेवा कर ली है उ० आ० पू० अ० पदक्रम I, वेतन रु० 700-40-1100-50/2-1250 के पद पर विभागीय पदोन्नति की सिफारिश पर चुनाव किए जाने पर पदोन्नत किए जाने के पात्र हैं। लेकिन शर्तें यह हैं कि पदोन्नति के लिए केवल उन्हीं अधिकारियों पर विचार किया जायेगा जिन्होंने वह विभागीय परीक्षा पास कर ली हो जो तकनीकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के बाद में ली गई हों। इस परीक्षा का पाठ्यक्रम विवरण नीचे दिया जा रहा है—

पाठ्यविवरण—

- नौसेना आयुधभंडार, विशाखापट्टनम

(क) कर्मशाला कार्य (तीन मास)	}	37 सप्ताह
(ख) गनवार्फ तकनीकी पाठ्यक्रम		
(ग) गोला बारूद तकनीकी पाठ्यक्रम		
(घ) प्रशासन और लेखा पाठ्यक्रम		
(ङ) बालासोर, कासीपुर, दशापुर और जबलपुर का दौरा		
- गनरी स्कूल और टी० ए० एस० स्कूल।
- हैवी वेहिकल फैंकटरी आवाड़ी और कोर्डोइट फैंकटरी, अरुवाडू का दौरा 2½ सप्ताह
- नौसेना आयुध भंडार बम्बई

(क) गनवार्फ तकनीकी पाठ्यक्रम II	5 सप्ताह
(ख) गोलाबारूद तकनीकी पाठ्यक्रम	
(ग) आर्डनेंस फैंकटरी, अबंरनाथ का दौरा	
- आयुध तकनीकी संस्थान, किरकी।

- (क) एच० ई० फैंकटरी, गोला बारूद फैंकटरी, ए० आर० डी० और ई० बी० आर० डी० एल० किरकी का दौरा 4½ सप्ताह
- आर्डनेंस फैंकटरी, गैल आर्मस फैंकटरी, कानपुर, बरास्ता नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली ½ सप्ताह
- नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली, रक्षा विज्ञान प्रयोगशाला, दिल्ली का दौरा? 1½ सप्ताह अंतिम परीक्षा

(II) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (सामान्य पदक्रम)

उपआयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड I जिन्होंने इस रूप में 3 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, वे नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (सामान्य पदक्रम) वेतनमान रु० 1100-50-1400 के पदक्रम में, समुचित विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चुने जाने के आधार पर पदोन्नति किए जाने के पात्र हैं।

(III) नौसेना पूर्ति अधिकारी (प्रवरण पाठ्यक्रम)

वे नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (सामान्य पदक्रम) जिन्होंने इस प्रकार तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, नौ सेना आयुध पूर्ति अधिकारी (प्रवरण पदक्रम) वेतनमान रु० 1300-60-1600 के पदक्रम में विभागीय पदोन्नति समिति के द्वारा चुनाव किए जाने के आधार पर, पदोन्नति किए जाने के पात्र हैं।

(IV) निदेशक आयुध पूर्ति

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (प्रवरण पदक्रम/सामान्य पदक्रम) जिन्होंने इस पदक्रम/इन पदक्रमों में पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो वे निदेशक आयुध पूर्ति, वेतनमान रु० 1600-100-1800 के पदक्रम में उम्मेदित विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चुनाव किए जाने के आधार पर पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

6. केन्द्रीय सरकार के अधीन अन्य पद जिनके सामान्यतः नीचे दिए गए वेतनमान हैं—

(I) श्रेणी I—रु० 400-950।

(II) श्रेणी II—रु० 350-900।

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi-1, the 20th November, 1971

No. 9/11/71-CSII.—The rules for a competitive examination to be held by the Secretariat Training School, Department of Personnel in the Cabinet Secretariat, New Delhi, for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Class IV staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service the Armed Forces Headquarters Clerical Service and Grade VI of the Indian Foreign Service Branch (B) are published for general information.

The candidates who are admitted to the examination will be eligible to compete for vacancies in the Lower Division Grade:

- (i) in the Central Secretariat Clerical Service, if they are working in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service:

(ii) in the Armed Forces Headquarters Clerical Service if they are employed in the Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations; and

(iii) in Grade VI of the IFS(B) if they are employed in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Secretariat Training School, Department of Personnel in the Cabinet Secretariat. Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1956,

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Schedule Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Secretariat Training School, Department of Personnel in the Cabinet Secretariat in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

4. The date on which and the place(s) at which the examination will be held at Delhi and selected Indian Missions abroad shall be fixed by the Secretariat Training School.

5. Any permanent or regularly appointed temporary Class IV employee who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination:

1. Length of Service.—He should have rendered on 1st January, 1972 not less than 5 years approved and continuous service as a Class IV employee or in any higher grade in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service or Armed Forces Headquarters and/or Inter Service Organisations or in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad.

NOTE (1).—The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable Service of the candidate is partly as a Class IV employee in any Ministry or Office participating in the Central Secretariat Clerical Service or in the offices participating in the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly elsewhere in equivalent or higher grade or Class IV employee in the Ministry of External Affairs and its Missions abroad.

NOTE (2).—Class IV employees who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. A class IV employee who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on transfer and continues to have a lien on a Class IV post for the time being will also be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

II. Age.—He should not be more than 45 years of age on 1st January, 1972 i.e., he must not have been born earlier than 2nd January, 1927.

The age limit prescribed above will be relaxable up to a maximum of five years if a candidate belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

III. Educational Qualification.—Candidates must have passed one of the following examinations or possess one of the following certificates:

- (i) Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;
- (ii) An examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation Certificate for entry into service;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Examination held by the State Government;
- (v) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;

- (vi) Pass in the Examination held by a recognised Higher Secondary School/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate years of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (with enables a candidate to get admission to the 3 year degree course);
- (vii) Tenth Class Certificate from a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (viii) Tenth Class Certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Course of Education, Pondicherry;
- (ix) Junior Examination of Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (since inception);
- (xii) 'Vinit' Examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xiii) The following French Examination of Pondicherry; (i) 'Brevet Elementaire' (ii) 'Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) 'Brevet d'Etudes du Premier Cycle' (iv) 'Brevet d'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'D'Langue Indienne (Vernaculaire);
- (xvi) Pass in the 5th year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xiv) Pass in the 5th year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xv) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xvi) Higher Army Special Certificate of Education;
- (xvii) Advance Class (Indian Navy) Examination;
- (xviii) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xix) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xx) Secondary School Certificate granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khujna Jessore in East Pakistan;
- (xxi) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xxii) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (xxiii) Burma High School Final Examination Certificate;
- (xxiv) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-war);
- (xxv) Post-War School Leaving Certificate of Burma;
- (xxvi) General Certificate of Education Examination of Ceylon at Ordinary Level provided it is passed in six subjects including English and Mathematics and either Sinhalese or Tamil;
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Board, London at 'Ordinary' Level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Board of Technical Education;
- (xxix) Purva Madhyama (with English) or old Khand Madhyama (first two years course) and special examination in additional subjects with English as one of the subjects of the Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyala Varanasi; and
- (xxx) Carta de Curso de Formacao de Serralheiro (Certificate in Smithy Course) and Carta de Curso de Montador Electricista (Certificate in Electrician Course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa, Panaji, under the Portuguese set up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualification prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which, in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

6. The decision of the School as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the School.

8. A candidate who is or has been declared by the School guilty of impersonation or submitting fabricated document or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution:

(a) be debarred permanently or for a specified period by the School from admission to any examination or appearance at any interview held by the School for selection of candidates; and

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. After the examination, the candidates will be arranged by the School in three separate lists in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the School to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the Examination, in the Central Secretariat Clerical Service, Armed Forces Headquarters Clerical Service and Grade VI of IFS(B) respectively.

Provided that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Secretariat Training School by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

NOTE.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to the Lower Division Grade on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment as a Lower Division Clerk on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

11. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the School at their discretion and the School will not enter into correspondence with them regarding the results.

12. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is eligible and suitable in all respects for appointment of to the Service

13. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of the disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

14. All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Secretariat Training School, he shall pass such a test at a minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute to be held by the authority designated by the Government for the purpose within a period of one year from the date of appointment, failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test.

If any candidate does not pass the said typewriting test within the period of probation, he is liable to be reverted to his substantive appointment or temporary post held by him before his appointment to Lower Division Grade.

NOTE 1.—A candidate appointed on the results of the examination who has already passed the typewriting test as prescribed above or who passes it within a period of 6 months from the date of his appointment will be granted the first increment after 6 months instead of after one year's service. This will, however, be absorbed in the subsequent regular increment.

NOTE 2.—In addition to the concession referred to in Note 1 two advance increments absorbable in future increases will be granted to those who pass the typewriting test at 40 w.p.m. in English and 35 w.p.m. in Hindi within a period of one year from the date of appointment.

15. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment as a class IV employee, or otherwise quits the service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien on a class IV post will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a class IV employee who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

M. K. VASUDEVAN,
Under Secretary.

APPENDIX

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will as follows:—

Subject	Maximum marks	Time allowed.
<hr/>		
[i] General English and		
Short Essay.		
(a) Short Essay	100	300
(b) General English	200	
(ii) General knowledge .		
including Geograpey of		
India	100	3 hours

2. The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer part (a) of paper (i) or paper (ii) or both either in Hindi (in Devnagri Script) or in English. Part (b) of paper (i) must be answered in English by all candidates.

NOTE 1.—The option for paper (ii) will be for the complete paper and not for different questions in it.

NOTE 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers in Hindi (in Devnagri Script) should indicate their intention to do so clearly in column 19 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the papers in English.

NOTE 3.—The option once exercise will be final and no request for change of option will be entertained. (ii) General Knowledge including Geography of India will be supplied both in Hindi and English.

NOTE 4.—Question Papers on (i) (a) Short Essay and Paper (ii) General Knowledge including Geography of India will be supplied both in Hindi and English.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

5. The Secretariat Training School has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks of written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

SYLLABUS FOR THE EXAMINATION

General English and Short Essay

(a) Short Essay—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(b) General English—Candidates will be tested in the following :

- (i) Drafting;
- (ii) Precise writing;
- (iii) Applied Grammar; and
- (iv) Elementary tabulation (To test candidates' ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

General Knowledge including Geography of India

Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 21st October, 1971

RESOLUTION

Study team on tribal research institutes

No. PC/SW/31(1)/69.—The Term of the Study Team on Tribal Research Institute set up vide Planning Commission's Resolution No. PC/SW/31(1)/69, dated 18-8-1969, has been extended for a further period w.e.f. 1-9-71 and upto 31-12-1971.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

S. K. GANGOPADHYAY, Jt. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

New Delhi, the 29th Oct. 1971

RESOLUTION

No. 55(17)/69-Ferts.II.—In modification of the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Petroleum and Chemicals) Resolution No. 55(17)/6969-Ferts.II dated the 5th August, 1969 for paragraph 5, the following shall be substituted :—

"The Commission will submit its report by 31st March 1972".

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

Ordered also that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Govt. of India.

N. K. SREENIVASAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER

New Delhi, the 30th Oct. 1971

RESOLUTION

No. F.C. 6(3)/70.—This Ministry's Resolution No. F.C. 6(3)/70 dated the 3rd December, 1970 as modified vide this Ministry's Resolutions of even number dated the 2nd March, 1971 and 15th July, 1971, is further modified as follows :—

For the existing paras 2 and 3 the following shall be substituted :

"2. The Committee shall examine in detail the problem of deterioration of the outlet of the Chilka Lake to the sea and suggest measures for developing and maintaining a channel from the Lake to the sea indicating the likely cost and benefits accruing from such measures. The Committee shall also examine the question of location of a fishing harbour on the Lake at a suitable place keeping in view the proposal of developing and maintaining a channel through the lake to the sea and make necessary recommendations."

"3. The Committee shall submit their report by the end of March, 1972."

ORDER

Ordered that this Resolution be communicated to the State Government of Orissa, Planning Commission, Ministry, Parliamentary Affairs, Shipping and Transport, Ministry of Agriculture, Prime Minister's Secretariat and Private & Military Secretary to the President for information.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India and the State Government of Orissa may be requested to publish it in the State Gazette for general information.

B. S. BANSAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 26th October 1971

RESOLUTION

No. F. 19/19/71-B(D).—In pursuance of the decision to enquire into the causes of the electrical accident which occurred at High Power Transmitter, All India Radio, Khampur, Delhi on 22-9-71, resulting in the death of Shri Brahmanand, a Mechanic, the Government of India have decided to set up an Enquiry Committee consisting of the following :—

Chairman :

Shri R. L. Narasimham, retired Chief Justice of the Patna High Court and ex-Member, Law Commission.

Members :

(1) Shri B. K. Rao, Deputy Director General (Admn.), A.I.R.; and

(2) Shri V. A. Krishnamurthy, Chief Engineer (Electrical) C.P.W.D.

2. The terms of reference of the Committee will be :—

(i) To enquire into the circumstances which caused the accident in the high power transmitter, AIR, Khampur, Delhi, resulting in the death of Shri Brahmanand, Mechanic on 22-9-71, and in particular to consider whether there was any human failure or procedural lacunae which resulted in the death of the Mechanic; and

(ii) To recommend measures for the prevention of such accidents in future.

3. The Committee will meet as often as considered necessary. The Headquarters of the Committee will be in New Delhi, but the Committee may visit such other places as considered necessary for a proper appraisal of the subject.

4. The Committee will evolve its own procedure.

5. The Committee will commence its work as soon as possible and submit its report to Government within one month from the commencement of the enquiry.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be forwarded to all Members of the Committee, the Prime Ministers Secretariat and all Ministries. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. S. GILL, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATION

Rules

New Delhi, the 20th November 1971

No. A.12025/1/71-C&P.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1972, for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information.

- (1) Engineer (Class I) in the Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications.
- (2) Deputy Engineer-in-Charge (Class I) in the Overseas communications Service, Ministry of Communications.
- (3) Assistant Engineer (Class II) in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.
- (4) Technical Assistant (Class II—non-Gazetted) in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.
- (5) Assistant Station Engineer (Class I) in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.
- (6) Technical Officer (Class I) in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.
- (7) Communication Officer (Class I) in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation; and
- (8) Deputy Armament Supply Officer, Grade II (Class I) in the Indian Navy, Ministry of Defence.

A candidate may compete in respect of any one or more of the posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts, for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of Union Public Service Commission within 10 days of the date of announcement of final result of the examination.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the

Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st August, 1972, i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1947, and not later than 1st August, 1952.

(b) The upper age-limit of 25 years will be relaxable up to 30 years in the case of Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office mentioned in column I below and apply for admission to the examination for the corresponding posts(s) mentioned in Column 2.

- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has been continuously in temporary service in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August 1972.

Column 1	Column 2
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.	Engineer (Class I) Deputy Engineer-in-Charge (Class I).
Overseas Communications Service.	Assistant Engineer (Class II). Technical Assistant (Class II Non-Gazetted).
All India Radio	Assistant Station Engineer (Class I).
Civil Aviation Department	Technical Officer (Class I) Communication Officer (Class I).
Indian Navy	Deputy Armament Supply Officer Grade II (Class I).

PROVIDED THAT NO CANDIDATE SHALL BE PERMITTED UNDER THE RELAXATION OF THE UPPER AGE LIMIT MENTIONED AT (b) ABOVE TO COMPETE MORE THAN THREE TIMES AT THE EXAMINATION.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable:—

- (i) Up to a maximum of five years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January 1964;
- (iii) Up to a maximum of eight years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) Up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (viii) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) Up to a maximum of three years in case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof. This concession will not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at five previous examinations;
- (xi) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes. This concession will not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at ten previous examinations; and
- (xii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu.

N.B. (i).—For the purposes of this Rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examining once for all the posts ordinarily covered by the examination, if he competes for any one or more of the posts.

A candidate shall be deemed to have competed at the examination, if he actually appears in any one or more subjects.

N.B. (ii).—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned at (b) above is liable to be cancelled, if, after submitting his application, he resigns from Service, or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible,

if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post, for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament, or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Associate Membership Examination of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering, from such foreign Universities/Colleges, Institutions and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (d) passed the Graduate Membership Examination of the Institution of Tele-communication Engineers (India); or
- (e) M.Sc. degree or its equivalent, with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as special subject; or
- (f) passed the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held prior to November 1959, is also acceptable, subject to the following conditions:—

- (1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post 1959 scheme of Graduate Membership Examination:
 - (i) Principles of Radio and Electronics—I, (Section 'A')
 - (ii) Mathematics II (Section 'B').
- (2) that the candidates concerned should produce a certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

NOTE 1.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified, provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 2.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided that the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE 3.—A candidate, who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or a temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

(a) be debarred permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Central Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

14. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the post, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various posts, at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the public service.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined at the place where they are summoned for interview, either immediately before or after the interview. Candidates will have to pay a fee of Rs 16.00 to the Medical Board. The fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of each post.

19. No person :—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to service ;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix III.

R. S. Aggarwal,
Under Secy.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I—Compulsory and optional papers as shown below. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in the Schedule to this Appendix.

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks for such candidates as may be called by the Commission. Please see para 6 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :

Subject	Duration	Maximum Marks
(1)	(2)	(3)
<i>A. Compulsory</i>		Hrs
(1) English Essay	1½	50
(2) General English	1½	50
(3) General Knowledge and Current Affairs	1½	50
(4) History of Science	1½	50
(5) Radio Physics	3	100
(6) Electronic Materials and Components	3	100
(7) Applied Electronic Circuits	3	100
(8) Electrical and Mechanical Engineering	3	100
		(60 marks for Electrical Engineering and 40 marks for Mechanical Engineering).

B. Optional : Any two of the following subjects :—

(1) Principles Acoustics	3	100
(2) Transmission Lines and Net works	3	100
(3) Antenna and Wave Propagation	3	100
(4) Mathematics	3	100
(5) Radar and Micro Waves engineering Including Radio Aids to Navigation	3	100
(6) Broadcasting and Television systems	3	100

3. All papers must be answered in English.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidates' capacity for leadership initiative and curiosity tact and other social qualities mental and physical energy powers of practical application and integrity of character.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deductions up to 5 per cent. of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

10. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

Note :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

Schedule to Appendix I

Standard and Syllabus

The standard of papers in English Essay, General English, General Knowledge and Current Affairs and History of Science will be such as may be expected of an Engineering/science graduate. There will be no practical examination in any of the subjects.

The papers in Radio Physics, Electronic Materials and components, Applied Electronic Circuits and Electrical and Mechanical Engineering will be of the degree standard for Engineering of Indian Universities and questions will be framed to test the candidates grasp of fundamentals in each subject.

The standard of optional papers will require detailed knowledge as applicable to Engineering problems.

(1) *English Essay*.—An essay to be written in English on one of several subjects.

(2) *General English*.—Questions to test the candidates understanding of and power to write English. Passages will usually be set for summary or précis.

(3) *General Knowledge and Current Affairs*.—The paper will include questions to test knowledge of current events and of matters of every day observation and experience. The paper will also include questions on History of India and Geography.

(4) *History of Science*.—History of the evolution and growth of science. Great scientists and their contribution to science.

(5) *Radio Physics*.—Magnetism, Definitions and units; Magnetic induction; hysteresis; magnetic circuits.

Electricity : Units, die-electrics, charges; alternating and direct current circuits; circuits containing resistance; inductance and capacitance; resonance; effects of Q on selectivity; current, voltage and power relations.

Tuned and untuned amplifiers; oscillators, frequency stability; frequency multipliers and harmonic generators; modulators.

Principles of reception, diversity reception; superhetrodyne receivers.

Radio telegraph, radio telephone communication and broadcasting systems; wave-length and power considerations; signal to noise ratio requirements; principles of wave propagation and transmission Aerials, feeders and matching devices.

Principles of amplitude modulation, frequency modulation and phase modulation, and their application in communication systems.

Speech and hearings—articulation; basic principles of acoustics.

(6) *Electronic Materials and Components*.—Conducting and dielectric materials of different types; piezo-electric and ferro-electric materials and transducers; quartz crystals of different cut and equivalent circuit.

Magnetic materials and ferrites of different types—their characteristics and uses; permanent magnets.

Resistors capacitors inductors and transformers; their different types, principles of construction, characteristics performance and applications.

Electron emission and motion in electric and magnetic fields.

Electron tubes, including cathode ray tubes and other special purpose tubes, micro-wave tubes gas and photo tubes; principles of construction, characteristics and typical applications.

Semi-conductors and their properties; semi-conductor devices including diodes and SCR's, tunnel diodes, transistors and photo-sensitive devices, fundamentals of printed circuits.

Relays : Electromagnetic and thermal types; their characteristics performance and applications.

(7) *Applied Electronic Circuits*.—Circuit principles involved in the following :—

Vacuum tube amplifiers, typical circuits for different applications; feed-back; broadband amplifiers; D. C. amplifiers.

Transistor amplifiers typical circuits; design for temperature stabilisation.

Low and high frequency oscillators, Conventional circuits; relaxation oscillators; frequency multipliers and dividers; frequency stabilization.

Pulse and sweep circuits, counting circuits

Modulators and detectors; typical circuits for amplitude, frequency and phase modulation.

Power supply systems for electronic equipments—rectifiers, filters, voltage regulated power supplies.

Industrial electronic circuits for induction heating, welding and speed control of electric motors.

Typical circuits used in television receivers.

(8) Electrical and Mechanical Engineering

(a) *Electrical Engineering*.—D.C. motors and generators—their characteristics and general features; motor starters.

Primary and secondary cells.

A.C. circuits; power factors; transformers, alternators, synchronous and induction motors; starting devices.

Rectifiers and rotary converters.

Electrical instruments and measurements—measurement of voltage, current and power in D.C. and A.C. circuits; different types of instruments and their characteristics. Typical bridges.

(b) *Mechanical Engineering*.—Properties and strength of materials—stress and strains in tension, compression and shear; Hooke's Law; elastic constants; bending moments and shear forces in beams.

Internal combustion engines—major component units and principles of working.

Simple machine tools and their uses.

Transmission of power—belt and gear drive; direct couplings; bearings.

Laws of friction, lubricants and lubricating systems.

Ferrous and non-ferrous materials—their properties.

(9) Principles of Acoustics

Sound : wave equation; vibrating systems; sound transmission; electro-mechanical-acoustical circuits and filters.

Room acoustics; sound absorption and insulation; reverberation; design of broadcasting studios.

Transducers : microphones, loudspeakers, design characteristics, measurement and calibration.

Noise control; sound insulation; measurements.

Hearing and speech; Psycho-acoustics criteria, audio-metric measurements. High fidelity systems. Disc, magnetic and film recording, and play back systems.

(10) Transmission Lines and Networks

Two terminal networks : Combinations of R.L.&C.; Impedance of a transformer-equivalent network; Analysis and Synthesis of two terminal networks.

Four terminal networks : Linear parameters—image and iterative parameters; Terminations; Loss factors; Insertion losses. Tandem connections reflection and interaction losses. Attenuating pads of the T and H types—Lattice and bridged T networks. Constant resistance recurrence networks—equalisers.

Wave filters: Conditions for pass and attenuation bands. Principles of filter design based on image parameters. Constant K and M derived filter sections. Low pass, high pass and band pass filters (of 3, 4, 5 and 6 element types). Composite and complementary filters. Paralleling of filters. Effects of dissipation and termination. Frequency and impedance normalisation. Transformations of designs from low pass to high pass and band pass filters. Elementary principles in the design of electric wave filters.

Properties of electrical line : Quantitative values of R.L.C. of electrical lines. Transmission line equations—attenuation and phase shift. Reflection in transmission lines; equations for a line with any termination. Reflection losses and reflection factor. Standing waves. Impedance of lines with total and partial reflection—circle diagram.

Low frequency transmission lines : characteristics; Distortion for telegraph and telephone working—loading.

High frequency transmission lines : characteristics; Distortion for telegraph and telephone working—loading.

High frequency transmission lines : Characteristics—open wire and concentric feeders; Transmission lines as impedance element; Resonant lines—Matching of H.F. lines.

(11) Antenna and Wave Propagation

Electro-magnetic equation, radiation of electromagnetic waves, field intensity.

Radiation patterns: directive systems; gain of antennas, practical design of directive antennas for long, medium, short wave and very high frequency. Receiving antenna systems. Antennas for direction finding.

Radio frequency transmission lines, coupling networks, matching of transmission lines, practical design of feeder lines and switching systems.

Propagation—ground, tropospheric and ionospheric atmospheres and noise.

Measurements of field strength.

(12) Mathematics.

Fundamental Concepts.

Functions—Average Rates—Limits.

Basic Operations.

Derivatives—Differentials—Higher Derivatives. Maxima and Minima—Integrals—Definite Integrals.

Further Operations.

Integration Techniques—Double Integrals.

Infinite Series.

Definitions—The Geometric Series—Convergent and Divergent Series—General Theorems—The Comparison Test—Cauchy's Integral Test—Cauchy's Ratio Test—Alternating Series—Absolute Convergence—Power Series—Theorems Regarding Power Series—Series of Functions and Uniform Convergence—Integration and Differentiation of Series—Taylor's Series—Symbolic form of Taylor's Series—Evaluation of Integrals by Means of Power Series—Approximate Formulas derived from Maclaurin's Series—use of Series for the Computation of Functions—Evaluation of a Function taking on an Indeterminate Form.

Complex Numbers.

Introduction—Complex Numbers—Rules for the Manipulation of Complex numbers—Graphical Representation and Trigonometric Form—Powers and Roots—Exponential and Trigonometric Functions—The Hyperbolic Functions—The Logarithmic Function—The Inverse Hyperbolic and Trigonometric Functions.

Mathematical Representation of Periodic Phenomena.

Fourier Series, and the Fourier Integral.

Introduction—Simple Harmonic Vibrations—Representation of More Complicated Periodic Phenomena. Fourier Series—Examples of Fourier Expansion of Functions—Some Remarks about Convergence of Fourier Series—Effective Values and the Average of a Product—Modulated Vibrations and Beats—The Propagation of Periodic Disturbances in Form of Waves—The Fourier Integral.

Linear Algebraic Equations. Determinants and Matrices.

Simple Determinants—Fundamental Definitions—The Laplace Expansion—Fundamental Properties of Determinants—The Evaluation of Numerical Determinants—Definition of a Matrix—Special Matrices—equality of Matrices, Addition and subtraction—Multiplication of Matrices—Matrix Division, the Inverse Matrix—The Reversal Law in Transposed and Reciprocal Products Properties of Diagonal and Unit Matrices—Matrices Partitioned into Submatrices—Matrices of Special Types—The Solution of n linear Equations in n Unknowns.

Linear Differential Equations with Constant Coefficients.

The Reduced Equation, the Complementary Function—Properties of the Operator $\text{Ln}(D)$ —The Method of Undetermined Coefficients—The Simple Direct Laplace—Transform, or Operational, Method of Solving Linear Differential Equations with Constant Coefficients—The Direct Computation of Transforms—Systems of Linear Differential Equations with constant Coefficients.

Laplace Transforms of Use in the solution of Differential Equations.

Notation—Basic Theorems.

Oscillations of Linear Lumped Electrical Circuits.

Electrical—Circuit Principles—Energy Considerations—Analysis of General Series Circuit—Discharge and charge of a capacitor—Circuit with Mutual Inductance—Circuits coupled by a Capacitor—The Effect of Finite Potential Pulses—Analysis of the General Net Work—The Steady-state Solution—Four-terminal Networks, in the Alternating Current Steady States—The Transmission Line as a Four-terminal Network.

Partial Differentiation.

Partial Derivatives—The Symbolic Form of Taylor's Expansion—Differentiation of Composite Functions—Change of variables—The First Differential—Differentiation of Implicit Functions—Maxima and Minima—Differential of a definite Integral—Integration under the Integral Sign—Evaluation of Certain Definite Integrals—The Elements of the Calculus of Variations—Summary of Fundamental Formulas of the Calculus of Variations—Hamilton's Principle. Lagrange's Equations—Variational problems with Accessory Conditions : Isoperimetric problems.

Vector Analysis.

The Concept of a vector—Addition and Subtraction of Vectors. Multiplication of a vector by a Scalar—The Scalar Product of two Vectors—The Vector Product of two Vectors—Multiple Products—Differentiation of a Vector with respect to Time—The Gradient—The Divergence and Gauss's Theorem—The Curl of a Vector Field and Stokes's Theorem—Successive Application of the Operator—Orthogonal Curvilinear Co-ordinates—Application to Hydrodynamics—The

equation of Heat Flow in Solids—The Gravitational Potential—Maxwell's Equations—The Wave Equation—The Skin-effect or Diffusion Equation—Tensors (Qualitative Introduction)—Co-ordinate Transformations. Scalars, Contravariant Vectors, Covariant Vectors—Addition, Multiplication and contraction of Tensors—Associated Tensors—Differentiation of an Invariant—Differentiation of Tensors; The Christoffel Symbols—Intrinsic and Covariant Derivatives of Tensors of Higher Order—Application of Tensor Analysis to the Dynamics of a Particle.

Elements of the Theory of the Complex Variable.

General Functions of a Complex Variable—The Derivative and the Cauchy—Riemann Differential Equations Line Integrals of Complex Functions—Cauchy's Integral Theorem—Cauchy's Integral Formula—Taylor's Series—Laurent's Series—Residues—Cauchy's Residue Theorem—Singular Points of an Analytic Function—The Point at Infinite—Evaluation of Residues—Liouville's Theorem—Evaluation of Definite Integrals—Jordan's Lemma—Integrals Involving Multiple-Valued Functions.

Operational and transform Methods.

The Fourier—Mellin Theorem—The Fundamental Rules—Calculation of Direct Transforms—Calculation of Inverse Transforms—The Modified Integral—Impulsive Functions Application of the Operational Calculus to the Solution of Partial Differential Equations—Evaluation of Integrals—Application of the Laplace Transform to the Solution of Linear Integral Equations—Solution of Ordinary Differential Equations with Variable Coefficients—The Summation of Fourier Series by the Laplace Transform.

(13 Radar and Micro-waves Engineering including Radio Aids to Navigation.

Principles; resolution accuracy and coverage; radar range equation, radar frequencies and various types of radar equipment.

Pulse circuits and networks; strobos and gating circuits. Various types of presentations and connected circuitry. Modulators and their theory.

Radar receiving circuits.

Various types of radar antenna and feed systems, reflector and their design. Microwave plumbing; Wave guides, modes of transmission, impedance matching, choke joints, direction couplers, TR devices.

VHF triode oscillator, klystrons, magnetrons, travelling wave tubes, efficiency diagrams. Principles and Characteristics of air-borne & ground based radar systems. Principles of direction finding.

Principles of navigational systems such as Loran, Decca, Doppler.

Principles of Electronic Altimeters.

(14) Broadcasting and Television Systems.

Broadcasting on long, medium and short waves and V.H.F.; coverages field strength, noise and interference; ground wave propagation; sky wave propagation; fading phenomenon.

Studio and auditorium; design with regard to noise level, reverberation, sound level and sound distribution, ventilation and illumination.

Studio and control room equipment, microphones—design considerations from output, impedance, sound level, directivity, noise and fidelity. Choice of microphones. Chain in the audio link from microphone to transmitter—special feature and design considerations. Recording and play back.

Broadcast transmitters; requirements for broadcast; modulators, amplifiers and power supply systems.

Design of superheterodyne receiving circuits. Use of transistors in broadcast receivers.

Frequency modulation in broadcasting.

Television circuits in cameras, transmitters and receivers; picture standards; typical transmitters and receivers; lighting and studio equipment.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, for certain services the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted are as follows :—

	Chest	Height	Girth Expansion (fully expanded)
Class I and Class II posts in the Engineering Branch of the Overseas Communi- cations	152 cm	84 cm. (for man)	5 cm.
	150 cm.	79 cm. (for women)	5 cm.

The minimum height, prescribed is relaxable in case of candidates belonging to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority, in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/6	6/12	J-I	J-II
6/9	6/9		

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

The total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed -4.00D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

(e) *Filed of Vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness: (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vit. A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2), dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retino-graphy is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set up, and equipment; and thus are not possible as a routine test in a medical check up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

(g) *Colour Vision*.—(i) The testing of colour vision shall be essential in respect of all the posts.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour Preception	Lower Grade of Colour preception
1. Distance between the lamp and candidates	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

For the services concerned with the safety of the Public, the higher grade of colour vision is essential but for other, the lower grade of colour vision should be considered sufficient.

(iii) Satisfactory colour vision constitute recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

(h) *Ocular conditions other than visual acuity*.—

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering the visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—As the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard, should be considered a disqualification.

(iii) *One eye*.—The medical board may recommend one eyed persons for appointment to Class I & Class II posts if it is satisfied that he can perform all the functions for the particular job for which he is a candidate provided further that the visual acuity in the functioning eye is 6/6 for distance vision and 0.6 for near vision and the refractive error is not more than plus or minus 4.00 D and the fundus of the functioning eye should reveal no abnormality. This relaxation in visual standards will be applicable to only one-eyed persons in view of their disability and not to persons with binocular vision.

(i) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. *Blood Pressure*.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure.

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds

change to soft muffled fading sound represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in readings).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear.
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound).
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints.
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or and it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing, appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases, is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the medical board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidates in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where, a Medical Board consider that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(A) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State Your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart diseases, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis? or

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age of living and state of health	Father's age at death and cause of death	No of brothers living their ages and state of health	No of brothers dead, their ages at and cause of death

Mother's age of living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No of sisters living, their ages and state of health	No of sisters dead, their ages at and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for?

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidates's Signature.....

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or gratuity.

●B) Report of the Medical Board on (name of candidate). Physical examination.

1. General development : Good.....Fair.....Poor..... Nutrition : Thin.....Average.....Obese..... Height (without shoes) Best weight when..... Any recent change in weight.....; Temperature

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease
3. Eyes : (1) Any disease
(2) Night blindness
(3) Defect in colour vision
(4) Field of vision
(5) Visual acuity
(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eyes	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axi.
Distant vision					
R. E.					
L. E.					
Near vision					
R. E.					
L. E.					
Hypermetropia (manifest)					
R. E.					
L. E.					
Ears; Inspection					
Ear					
Glands					
Thyroid					
Condition of teeth					
Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?					
If yes, explain fully					
Circulatory system :					
(a) Heart : Any organic lesions ?					
Rate					
After hopping 25 times					
Two minutes after hopping					
(b) Blood Pressure : Systolic					
Diastolic					
Abdomen :					
Girth					
Tenderness					
Hernia					
(a) Palpable :					
Liver					
Spleen					
Kidneys					
Tumours					
(b) Haemorrhoids					
Fistula					
Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities					
Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities					
Loco Motor System : any abnormality					
Genio Urinary system : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.					
Urine Analysis :					
(a) Physical appearance					
(b) Sp. Gr.					
(c) Albumen					
(d) Sugar					
(e) Casts					
(f) Cells					
Report of X-Ray Examination of Chest					
Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?					
For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.					

Distant vision

R. E.

L. E.

Near vision

R. E.

L. E.

Hypermetropia

(manifest)

R. E.

L. E.

4. Ears; InspectionHearing : Right

EarLeft Ear

5. GlandsThyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory system :

(a) Heart : Any organic lesions ?

Rate Standing

After hopping 25 times

Two minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic

Diastolic

9. Abdomen : GirthTenderness

Hernia

(a) Palpable : Liver spleen

KidneysTumours

(b) HaemorrhoidsFistula

10. Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities

10. Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System : any abnormality

12. Genio Urinary system : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen(d) Sugar

(e) Casts(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

16. Is the candidate fit for Field Service?

Note :—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit
 - (ii) Unfit on account of
 - (iii) Temporarily unfit on account of
- President.....
- Member.....
- Place.....
- Date.....

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Engineers (Class I) in the Wireless, Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications :

- (a) Scale of pay Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

- (b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 50 per cent of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless, Planning and Co-ordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of pay Rs. 700—40—1,100—50/2—1,250 plus Rs. 100 as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser only) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of selection on the recommendations of the Departmental Promotion committee as constituted for Class I posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineer-in-Charge with 5 years service in the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale of pay Rs. 1,100—50—1,400). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled by promotion to the extent of 75% on the basis of selection on the recommendations of DPC as constituted for Class I Post. 25% of the vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled by direct recruitment.

- (c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

- (d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years, including the period spent on training, if any :

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. Deputy Engineer-in-Charge (Class I), Assistant Engineer (Class II Gazetted) and Technical Assistant (Class II—Non-Gazetted) in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.

- (a) Candidates selected for appointment as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be appointed on probation for a minimum period of two years which may be extended, if necessary.

- (b) An Officer appointed as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be liable to serve anywhere in India.

- (c) In case of temporary appointment to the posts of Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge apart from the conditions laid down in the bond which an officer may be required to execute, his service will be terminable by giving one month's notice on either side. It is, however, left to the Department to terminate the services

of a temporary employee by giving one month's pay and allowances in lieu of notice but the officer has no such option.

(d) Scales of Pay :—

- (1) Technical Assistant Rs. 325—15—475—EB—20—575.

- (2) Assistant Engineer Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.

- (3) Deputy Engineer-in-Charge Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

(e) Prospects of promotion to higher grades.

- (1) Technical Assistant : All Technical Assistants with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Engineer in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 by selection on merit against 50 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

- (2) Assistant Engineers : All Assistant Engineers with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy Engineer-in-Charge in the scale of Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 by selection on merit against 75 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

- (3) Deputy Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Deputy Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Deputy Engineer-in-Charge or Assistant Engineer is eligible for promotion to the post of Engineer-in-Charge (Scale : Rs. 700—40—1,100—50/2—1,250) in the Overseas Communications Service on the successful completion of the period of probation which will be two years. The minimum service of three years in the case of officers directly recruited in the grade will be reckoned from the date of completion of training. The promotion to the grade of Engineer-in-Charge will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post

- (f) Any person appointed to the post of Technical Assistant, Assistant Engineer or Deputy Engineer-in-Charge shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

NOTE : The remaining conditions of service such as leave, travelling allowances on transfer/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concession, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

3. Assistant Station Engineer (Class I), Directorate General, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years.

- (b) (i) An officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time, to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.

- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer, shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in the following events, without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination, intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time, without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

- (d) Scale of pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

(e) Prospects of promotion to high grades :—

- (i) Promotion to the grade of Station Engineers : All Assistant Station Engineers with a minimum of five years' service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineers in All India Radio in the scale of Rs. 700—40—1,100—50/2—1,250 on the basis of selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.

- (ii) Promotion to the grade of Senior Engineers : All Station Engineers who have a minimum of seven years of service in that cadre are eligible for promotion to the grade of Senior Engineers in the scale of Rs. 1300—60—1600 on the basis of selection on the recommendation of the Departmental Promotion Committee.

NOTE :—The remaining conditions of service, such as, leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/ joining time pay medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

4. Technical Officer (Class I) and Communication Officer (Class I) in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed as probationers for a period of 2 years during which they will undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed from time to time. Those who are favourably reported upon and have passed any Departmental examination or examinations that may be prescribed will be appointed as temporary Communication Officers/Technical Officers. They will be considered for confirmation in the grade of Communication Officer/Technical Officer as and when permanent posts for their confirmation become available.
- (b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.
- (c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the Officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.
- (d) If no action is taken by Government, under sub-rule (b), (c) of the rule the period after the prescribed period of probation shall be treated as an engagement from month to month, terminable on either side, on the expiration of one calendar month's notice in writing.

- (e) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government under this rule.

- (f) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave, increment and pension in accordance with the rules for the time being in force and applicable to Officers of the Central Government. They will also be eligible to join the Central Provident Fund in accordance with the rules regulating that Fund.

- (g) These Officers shall be liable for transfer anywhere in India for any Field Service in an outside India during an emergency. They can also be asked to take up duties on board an aircraft in flight.

- (h) The relative seniority of Officers appointed through the Engineering Services (Electronics) Examination will ordinarily be determined by the order of their merit in the Examination Govt. of India, however, reserve the right of fixing the seniority at their discretion in individual cases.

- (i) Promotion of Communication Officers/Technical Officers to the grade of Senior Communication Officers/Senior Technical Officers are dependent on the occurrence of vacancies in the later grade and will be made on the basis of seniority-cum-fitness, from amongst those Communication Officers/Technical Officers who have rendered a minimum of three year's service in the grade.

- (j) These conditions of service are subject to revision according to the requirements of service. Candidates will not be entitled to any compensation if they are adversely affected by any changes in the conditions of service which may be introduced later on.

- (k) The scales of pay for the posts of Communication Officer/Technical Officer in the Department of Aviation are given below :

- (i) Communication Officer (Class I) Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

- (ii) Technical Officers (Class I) Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

- (l) Any person appointed to the post of Communication Officer/Technical Officer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such persons :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

5. Deputy Armament Supply Officer, Grade II (Class I) in the Indian Navy, Ministry of Defence.

- (a) Candidates selected for appointment to the post will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service. During the period of probation, they will have to undergo a technical training course for a period of 9—12 months and are also to pass the departmental examination in not more than three attempts. In case they fail to pass in departmental examination their services will be liable to be terminated at the discretion of the Government. They will also be required to sign a bond for Rs. 15,000 (the amount may vary from time to time) prior to proceeding on training for compulsory service in the Indian Navy for a period of three years after completion of the training.
- (b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment) by competent authority. The Government, however,

reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subject to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classifications—Class I Gazetted in the scale of pay of Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

(f) Prospects of promotion to higher grades—

(i) *Deputy Armament Supply Officer Grade I* DASOs Grade II with 3 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 700—40—1100—50/2—1250 on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course. The syllabus of which is reproduced below :—

1. *Naval Armament Dept. Vishakhapatnam*

- (a) Shop-work (Three months)
- (b) Gunwharf Technical Course I
- (c) Ammunition Technical Course I 37 weeks
- (d) Administration and Account Course
- (e) Visit to Balasore, Cossipore, Ishapore and Jabalpur.

2. *Gunnery School and TAS Schools*

3. Visits of Heavy Vehicle Factory, AVADI and Cordite Factory, ARUVAND 2½ weeks

4. *Naval Armament Depot, Bombay*

- (a) Gunwharf Technical Course II
- (b) Ammunition Technical Course II 5 weeks

(c) Visits to Ordnance Factory, AMBARNATH

5. *Institute of Armament Technology, KIRKEE*

6. Visits to HE Factory, Ammunition Factory, ARDE And ERDL, KIRKEE 4½ weeks

7. Visit to Ordnance Factory, & Shell Arms Factory, KANPUR enroute Naval Headquarters, New Delhi. 1½ week

8. *Naval Headquarters, New Delhi*

Visit to Defence Science Laboratories DELHI FINAL EXAMINATION 1½ weeks

(ii) *Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)*

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 3 years service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 1100—50—1400 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) *Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)*

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 3 years service as such, are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 1300—60—1600 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) *Director of Armament Supply*

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade/Ordinary Grade) with 5 years' service in the grades are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 1600—100—1800 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

6. Other posts under the Central Government carrying generally the following scales of pay :—

Class I	Rs. 400—950
Class II	Rs. 350—900

